RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 273 , गुरुवार, 19 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com


मोतीझील में फिर बहेगी स्वच्छ जलधारा, कायाकल्प की कवायद शुरू 03


क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दिन जनप्रतिनिधि और घैलाढ़ ओपी टीम विजयी 04

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक 07

25 साल बाद एमपी में

खत्म हुआ दो बच्चों वाला नियम

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों उम्मीदवारों को बड़ी राहत

स्पेशल कैबिनेट मीटिंग में सिविल सेवा नियम में संशोधन को मंजूरी

भोपाल (एजेंसी) मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद एमपी सरकार ने भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम खत्म कर दिया है, जो 25 साल से लागू था।

बुधवार को हुई स्पेशल कैबिनेट बैठक में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब तीसरा बच्चा होने पर न तो किसी सरकारी कर्मचारी की नौकरी जाएगी



और नही नई भर्तियों में तीन बच्चों वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाएगा। मध्य प्रदेश की सरकारी भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम 26 जनवरी 2001 के बाद से लागू था। तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने इस नियम को जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया था, ताकि सरकारी कर्मचारियों के माध्यम से छोटे परिवार का संदेश समाज में जाए। यह नियम नई भर्ती और मौजूदा कर्मचारियों दोनों पर लागू था।

सुप्रीम कोर्ट और एमपी कोर्ट ने सरकार से किए थे सवाल

हाल के कुछ वर्षों में सरकारी भर्तियों में टू-चाइल्ड पॉलिसी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन के रूप में देखा जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी प्रासंगिकता पर टिप्पणी की थी और एमपी कोर्ट ने भी नौकरी लगने के बाद तीसरा बच्चा होने पर नियम लागू होने को लेकर सरकार से सवाल किए थे। हाल ही में इस नियम को हटाने में तब तेजी आई जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में प्रजनन दर 2.1 है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लागू था नियम

मध्य प्रदेश अकेले ऐसा राज्य नहीं है, जहां सरकारी नौकरियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम लागू था। राजस्थान सरकार ने इसे साल 2016 और छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे 2017 में खत्म कर दिया था। वहीं आंध्र प्रदेश ने तीसरे बच्चे पर 25000 रुपये के प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की है। टू-चाइल्ड पॉलिसी के चलते हजारों कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। स्कूल, कॉलेज और मेडिकल कॉलेजों के सरकारी कर्मचारियों के 8 से 10 हजार मामले तीसरी संतान को लेकर विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के दायरे में थे, जिन्हें अब बंद कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि इस नियम के चलते जिन कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है या कार्रवाई में आखिरी फैसला हो चुका है, उन्हें वापस नहीं लाया जाएगा। यानी सेवा से बाहर चुके सरकारी कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

कुलगाम हमले का आरोपी आखिरी आतंकी भी ढेर

● फोर्स की एक जॉइंट टीम ने लतीफ भट का किया एनकाउंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था।





कुलगाम अटैक के बाद से ही थी लतीफ की तलाश

घाटी में लश्कर-ए-तैयबा का वॉन्टेड कमांडर लतीफ भट कुलगाम में सीआरपीएफ के जवानों पर फायरिंग करने का आरोपी था। हमले के बाद से ही सुरक्षाबलों को उसकी तलाश थी। दो दिन पहले भी सुरक्षाबलों ने लतीफ को घेर लिया था और कई घंटों तक एनकाउंटर चला था। उस एनकाउंटर में लतीफ का एक साथी मारा गया था, लेकिन लतीफ वहां से भाग निकला था। आखिरकार हमले के 8 दिन बाद सुरक्षाबलों ने लतीफ को मुठभेड़ में मार गिराया।

संक्षिप्त समाचार

शिवसेना ने सोनिया की किताब फाड़ी, बैन की मांग

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना ने बुधवार को सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव को बैन करने की मांग की। पार्टी के नेताओं ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किताब के पन्नों को फाड़ा। शिवसेना का आरोप है कि इस किताब में वीर सावरकर और मराठी अस्मिता का अपमान किया गया है। उधर, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी वायएसआर कांग्रेस और बीआरएस ने भी इस किताब को लेकर नाराजगी जताई है। वायएसआर कांग्रेस के तिरुपति सांसद मडिला गुरुमूर्ति ने कहा- सोनिया गांधी



वीआरएस कांग्रेस के योगदान को कैसे नजरअंदाज कर सकती हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि सोनिया ने किताब में तेलंगाना का जिक्र तक नहीं किया। सोनिया की किताब 10 नवंबर को बाजार में बिकना शुरू हुई थी। 16 नवंबर को लॉन्च की गई। आरएसएस की राजनीति को लेकर इंदिरा गांधी की नाराजगी आजादी की लड़ाई के समय से ही थी। जब कांग्रेस के नेता अंग्रेजों की मार झेल रहे थे और जेल जा रहे थे, तब आरएसएस के बड़े विचारक विनायक दामोदर सावरकर अंग्रेजों के सामने दया याचिकाएं लिख रहे थे। आरएसएस के कुछ सदस्य अंग्रेज अधिकारियों के लिए मुखबिरी भी करते थे। आरएसएस, कांग्रेस और उसकी विचारधारा को हिंदू राष्ट्र बनाने की राह में सबसे बड़ी रुकावट मानता था। इस सोच में दूसरे धर्मों के लोगों को दूसरे दर्जे का नागरिक माना जाता था।

आजम को जमानत पर रहने दें आसमान नहीं टूट पड़ेगा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ बुधवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी को जज ने फटकार लगाई। कहा कि इतनी जल्दी क्या है, आजम को जमानत पर रहने दीजिए, कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईडी मामले में तुरंत सुनवाई की मांग कर रही थी। ईडी के वकील एसवी राजू ने कोर्ट से कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश जल्दबाजी में पारित किया। हमें पूरा जवाब दाखिल करने का समय भी नहीं मिला। यह अंतरिम नहीं, अंतिम आदेश जैसा था। इसलिए



इस मामले को तुरंत ही सुना जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मामले को कल सुनने के लिए कहा तो राजू ने कहा- तब तक रिहाई पर रोक लगा दीजिए, वरना वह जेल से बाहर आ जाएंगे। बेंच ने तुरंत ही इस मांग को ठुकरा दिया। इससे पहले, हाईकोर्ट ने आजम को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी थी। उनकी आज यानी बुधवार को जेल से रिहाई हो सकती है। आजम एक साल बाद जेल से बाहर आएंगे। रामपुर में आजम के घर पर मिठाइयां बांटी जा रही हैं। आजम की पत्नी तंजीम फातिमा ने कहा- उन्हें अल्लाह पर भरोसा था। कुछ ताकतें नहीं चाहती थीं कि आजम बाहर न रहें। पैन कार्ड मामले में आजम को 17 नवंबर 2025 को रामपुर जेल भेजा गया था।

'आकाश' और 'पिनाका' भी खरीदेगा फिलीपींस

● भारत से नए रक्षा सौदे की तैयारी, चीन को मिलेगा करारा जवाब, दोनों देशों के बीच रक्षा सौदे को लेकर खास बातचीत जारी

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को लेकर बातचीत कर रहा है।

● **भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत**- फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से



कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है। रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने कहा था कि भारत एक समान विचारधारा वाला देश और चीन के खिलाफ दोनों देशों के विचार एक समान हैं। फिलीपींस के सामने भारतीय हथियारों को खरीदने के लिए कुछ वित्तीय दिक्कतें हैं।

हालांकि भारत हथियार सौदों के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट देता है लेकिन फिलीपींस के सूत्रों ने बताया है कि फिलीपींस के संविधान में कुछ पाबंदियां हैं लिहाजा इस सुविधा का उपयोग करना मुश्किल है। इसीलिए पेमेंट करने के दूसरे तरीकों पर विचार चल रहा है।

● **ब्रह्मोस मिसाइलों के प्रदर्शन से खुश है फिलीपींस**- रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाफ ब्रह्मोस मिसाइल ने जो प्रदर्शन किया था उसे देखते हुए फिलीपींस ने और ब्रह्मोस के लिए रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन जारी किया था। इसके अलावा भारत ने फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों पर ब्रह्मोस मिसाइलों को लगाने की संभावना तलाशने का प्रस्ताव भी दिया है। फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने कहा था कि फिलीपींस की भौगोलिक बनावट ऐसी है कि सड़क रास्तों से ब्रह्मोस मिसाइलों का ऑपरेशन काफी मुश्किल हो सकता है इसलिए उसने फिलीपींस की जरूरत के मुताबिक तैयार किया है।

आकाश और पिनाका खरीदने पर कर रहा विचार

फर्स्ट पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि फिलीपींस अपनी सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए एडवांस स्तर पर बात कर रहा है। आकाश एयर डिफेंस सिस्टम भी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी युद्ध क्षमता साबित कर चुका है। इसको लेकर फिलीपींस के अधिकारियों के सामने एक प्रजेंटेशन भी दिया गया है जिसमें भारतीय अधिकारियों ने बताया है कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश का दूसरे हथियारों के साथ इंटीग्रेशन किया गया था। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम में फिलीपींस की दिलचस्पी काफी है। फिलीपींस भुगतान में कुछ रियायतों की मांग कर रहा है।

● सियासी हलचल तेज, कारण तलाशने में जुटे नेता

पांच महीने में 6वीं बार महाराष्ट्र पहुंचे शाह



मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पिछले पांच महीनों में छह बार महाराष्ट्र आ चुके हैं। देश के गृहमंत्री का किसी राज्य में बार-बार आना असामान्य नहीं, लेकिन महाराष्ट्र में उनकी लगातार मौजूदगी ने राजनीतिक दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। बीजेपी के सहयोगी हों या विरोधी, हर कोई यह जानने की कोशिश में है कि आखिर अमित शाह महाराष्ट्र में क्या तलाश रहे हैं। कौन-सा राजनीतिक समीकरण है, जिसे दिल्ली से नहीं, बल्कि मुंबई, नागपुर और पुणे पहुंचकर समझने की जरूरत पड़ रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका महाराष्ट्र की राजनीति में केवल बीजेपी के रणनीतिकार की नहीं रही है। वे यहां सत्ता के समीकरणों को करीब से समझते, संवारते और सुलझाते रहे हैं और सहयोगियों के बीच संतुलन भी।

बार-बार आने के बाद सियासी समीकरण

राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार का मानना है कि राजनीति में सवाल गृह मंत्री अमित शाह के बार-बार महाराष्ट्र आने का नहीं, बल्कि उनके आने के बाद बदलने वाले सियासी समीकरणों का है। परिहार कहते हैं कि अमित शाह महाराष्ट्र को केवल एक राज्य की सरकार के रूप में नहीं देखते। उनके लिए महाराष्ट्र सहकारिता, मराठा राजनीति, क्षेत्रीय क्षत्रपों और राष्ट्रीय सत्ता के समीकरणों का बड़ा केंद्र है। उनके अनुसार एनसीपी के दोनों धड़ों का भविष्य तय करने में बीजेपी की दिलचस्पी स्वाभाविक है, क्योंकि इसका असर सीधे महाराष्ट्र की विपक्षी राजनीति पर पड़ता है, उससे ज्यादा संसद में ताकत पर भी पड़ता है।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता



मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली, मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है।

गंगनहर पटरी से मोदीनगर को जोड़ने पर भी मंथन

हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन पहुंचाने के लिए मोदीपुरम के अलावा गंगनहर पटरी का विकल्प भी सामने आया है। इस विकल्प के तहत मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस संबंध में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग से तकनीकी पहलुओं पर बातचीत की है।

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर बदलेगी ड्रेस

● 1 दिसंबर से गोरखा हैट, मैरून-ब्लैक बेरेट और रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनी थी।



इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी में पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है।

पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था

ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर है भारत

● कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या ● नितिन नवीन बोले-इकोनॉमी नहीं, उनकी सोच है डिजास्टर

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। राहुल अमेरिका के दो दिन के दौरे पर हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने जालंधर में कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।' राहुल ने एसआईआर को सामान्य अभियान से बिल्कुल अलग बताया।



संक्षिप्त समाचार

ई-रिक्शा की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, छठ का प्रसाद देकर लौट रहे थे घर



हाजीपुर। वैशाली के चेहराकलां प्रखंड में बुधवार दोपहर ई-रिक्शा की टक्कर से साइकिल सवार 41 वर्षीय अरविंद कुमार की मौत हो गई। हादसा ताल सेहान गांव के पास दोपहर करीब 3 बजे हुआ। अरविंद छठ पूजा के लिए घर आए थे और एक रिश्तेदार के यहां प्रसाद पहुंचाकर लौट रहे थे। अरविंद कुमार मथना माल गांव के रहने वाले थे। बुधवार को वह एक रिश्तेदार के यहां छठ का प्रसाद पहुंचाने गए थे। वहां से साइकिल से घर लौटने के दौरान ताल सेहान के पास ई-रिक्शा ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर परिजन भी वहां पहुंचे। अरविंद के परिवार में बेटा सूरज कुमार (18) और दो बेटियां संध्या कुमारी (14) व अंबिका कुमारी (10) हैं। सूचना पर कटहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अवर निरीक्षक अशोक कुमार सिंह और अपर थानाध्यक्ष महेश कुमार ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

कार खड़े ट्रक से टकराई, युवक की मौत, 4 घायल मुजफ्फरपुर जा रहे थे सभी, ट्रक मौके से गायब

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज-फकुली मुख्य मार्ग पर बुधवार सुबह टोटहा चौक के पास कार खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार आदित्य कुमार (22) की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। लालगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर निवासी आदित्य, पिता रतन महतो, चार साथियों के साथ सुबह करीब 10 बजे कार से मुजफ्फरपुर जा रहे थे। टोटहा चौक के पास चालक का कार से नियंत्रण बिगड़ गया और कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को लालगंज रेफरल अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने आदित्य को मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक इलाज के बाद चारों घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया। घायलों में जलालपुर वार्ड नंबर 08 के अखिलेश कुमार (24), पिता नंदू महतो; जलालपुर के लक्ष्मण कुमार (25), पिता प्रमोद महतो; अमित कुमार (25), पिता मनोज महतो; और लालगंज नगर परिषद के पटवा टोली निवासी अपूर्वा (30), पिता अजय कुमार प्रसाद शामिल हैं। हादसे के बाद लालगंज-फकुली मुख्य मार्ग पर काफी देर तक जाम लगा रहा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे में शामिल ट्रक मौके से गायब हो गया। लोगों ने बताया कि यह सिंगल सड़क है और रेलवे फाटक से टोटहा चौक तक अक्सर भारी वाहन खड़े रहते हैं। परमाण कंपनी का सामान लाने वाले वाहन भी यहां खड़े रहते हैं। इससे आने-जाने में परेशानी होती है और हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे भारी वाहनों की पार्किंग रोकने और यातायात व्यवस्था ठीक करने की मांग की है।



घुड़दौड़ जीतने वाले को व्हाइट थार देंगे अनंत सिंह बेटी की शादी में होगी रेस, पहुंचने लगे घोड़े

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह की शादी की तैयारियां जोरों पर है। 25 नवंबर को शादी वाले दिन होने वाली घुड़दौड़ को लेकर भी हलचल तेज हो गई है। छठ महापर्व के बाद बिहार के अलग-अलग जिलों से घोड़े मोकामा पहुंचने लगे हैं। सारण समेत कई जिलों से सात घोड़े प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए हैं। अनंत सिंह ने घोड़ों के ठहरने के लिए विशेष घुड़साल भी बनवाया है। घुड़दौड़ जीतने वाले प्रथम विजेता को व्हाइट थार दी जाएगी। यह गाड़ी आ भी गई है। अनंत सिंह काफिले के साथ घुड़दौड़ के लिए तैयार किए जा रहे ग्राउंड पहुंचे। यहां उन्होंने 12 घोड़ों की प्रैक्टिस देखी। इस दौरान मैदान में सैकड़ों लोग मौजूद थे। शादी और घुड़दौड़ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। घुड़दौड़ के लिए नदवां गांव में कई एकड़ जमीन पर अलग से रेस के लिए मैदान तैयार किया जा रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान में एक साथ 15 घोड़ों के दौड़ने की व्यवस्था की जा रही है। अनंत सिंह के निजी अस्तबल के घोड़े भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। आयोजन की तैयारी ऐसी है कि अलग-अलग राज्यों से आने वाले घोड़ों और उनके मालिकों के ठहरने के लिए भी व्यवस्था की जा रही है।



'अकवान' साइक्लोन से 21 नवंबर को बिहार में बारिश के आसार

पटना। समस्तीपुर, बेगूसराय, बगहा और सुपौल में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया है। विजिबिलिटी 100 मीटर है। बिहार में ठंड का असर भी दिखने लगा है। न्यूनतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। अरवल 13.4 डिग्री न्यूनतम पारे के साथ सबसे ठंडा जिला रहा। पटना का न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पूर्णिया का पारा 4 डिग्री गिरकर 16.9 डिग्री पर आ गया और वहां कोहरे की वजह से दृश्यता 400 मीटर तक सिमट गई। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार बिहार के जिलों में अभी न्यूनतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता। पूर्वानुमान के अनुसार रात के टेंपरेचर में अभी ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। इस कारण कड़ाके की सर्दी का अभी इंतजार करना होगा। ज्यादातर जिलों में सुबह के वक्त कोहरा छाने की संभावना है। विजिबिलिटी करीब 50 से 100 मीटर तक रह सकती। आनेवाले 'अकवान' तूफान की वजह से आने वाली नम हवाओं के चलते 21 नवंबर को बिहार के 13 जिलों में हल्की बूंदाबांदी या फुहारें पड़ सकती हैं।

बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज की एमएलसी सदस्यता बची, बीजेपी में शामिल होने से शुरू हुआ विवाद

पटना। बिहार विधान परिषद के दो नवनिर्वाचित निर्दलीय सदस्य वंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज को बड़ी राहत मिली है। उनकी सदस्यता को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है और सदस्यता नहीं जाएगी। दरअसल, दोनों को विधान पार्षद पद से हटाने के लिए आरजेडी और जन सुराज की ओर से दाखिल की गई सभी याचिकाओं को विधान परिषद सचिवालय ने खारिज कर दिया है। कार्यकारी सभापति के आदेश पर लिए गए इस फैसले के बाद दोनों नेताओं की सदस्यता बरकरार रहेगी। इसे जनसुराज और राजद के लिए झटका माना जा रहा है। कल मंगलवार को ही दोनों निर्दलीय MLC की सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर तेजस्वी यादव ने विधान परिषद के सभापति रामवचन राय से मुलाकात की थी। विधान परिषद सचिवालय ने याचिकाओं की जांच के बाद उन्हें सुनवाई के योग्य नहीं पाया। उप सचिव मनोज कुमार की ओर से इस संबंध में अलग-अलग पत्र जारी किए गए हैं। इनमें बताया गया है कि याचिकाएं संविधान की दसवीं अनुसूची और बिहार विधान परिषद सदस्य नियमावली, 1994 में निर्धारित प्रक्रियाओं के मुताबिक दाखिल नहीं की गई थीं। इसी आधार पर कार्यकारी सभापति के निर्देश पर सभी याचिकाओं को प्रारंभिक स्तर पर ही खारिज कर दिया गया।

पटना में साइबर ठगों के तीन ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी

एजेंसी, पटना



- राजा बाजार, बोरिंग रोड और पत्रकार नगर में कार्रवाई; मास्टरमाइंड सहित 38 लोगों को हिरासत में

पटना कांड संख्या 1529/26 के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय एवं अंतरराज्यीय स्तर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी संचालित करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ बिहार STF, साइबर थाना पटना और संबंधित स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने देश के पांच राज्यों, जिनमें बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल के कुल 14 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान अब तक गिरोह के मुख्य सरगना सहित कुल 38 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। पटना में साइबर ठगी के नेटवर्क के खिलाफ पुलिस ने बुधवार को एक साथ तीन जगहों पर छापेमारी शुरू की है। पटना STF और स्थानीय थाना पुलिस की संयुक्त टीम राजा बाजार, बोरिंग रोड और पत्रकार नगर में कार्रवाई कर रही है। तीनों जगहों पर पुलिस के 30 से अधिक जवान तैनात हैं। छापेमारी में SDPO रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं।

पटना में इन 3 जगहों पर छापेमारी: पहली कार्रवाई राजा बाजार स्थित मछली गली के सुशीला रेजिडेंसी अपार्टमेंट में चल रही है, जबकि दूसरी टीम बोरिंग रोड की मोंटेसरी गली स्थित मेरिडियन अपार्टमेंट में जांच कर रही है। इसके अलावा पत्रकार नगर इलाके के साईं कुसुम इनफिनिटी में भी STF, लोकल पुलिस और साइबर पुलिस की रेड चल रही है। कुसुम इनफिनिटी में इससे पहले भी NIA की भी रेड हुई थी। इसका कनेक्शन झारखंड स्थित RSS के दफ्तर पर हुए हमले से जुड़ा था।

गुप्त सूचना पर एक साथ कार्रवाई: जानकारी के मुताबिक, साइबर पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों ठिकानों पर साइबर ठगी से जुड़े लोग छिपे हैं और यहीं से ठगी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दोनों स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की।

राजा बाजार स्थित सुशीला रेजिडेंसी अपार्टमेंट में करीब 30 से 40 पुलिसकर्मियों की टीम पहुंची है। वहीं, बोरिंग रोड के मोंटेसरी लेन में भी पुलिस की दूसरी टीम जांच कर रही है। अचानक हुई कार्रवाई से दोनों इलाकों में हलचल मच गई। अब तक की कार्रवाई में कई अहम दस्तावेज बरामद होने की सूचना है। इस कार्रवाई के दौरान अब तक गिरोह के मुख्य सरगना सहित कुल 38 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

चिह्नित बैंक खातों को फ्रीज करने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गिरोह के अंतरराष्ट्रीय एवं अंतरराज्यीय नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन तथा अन्य संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत जांच और आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पूरा अभियान की बिहार पुलिस मुख्यालय स्तर पर वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है। छापेमारी एवं आगे की कार्रवाई जारी है। कार्रवाई पूरी होने के बाद आधिकारिक जानकारी और गिरफ्तारी का ब्योरा सामने आने की उम्मीद है।

मोमोज कैफे के किचन में मिला 10 किलो सड़ा चिकन



लाइसेंस निलंबित, गंदगी के बीच थी खाने की चीजें, खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना के कांटी फैक्ट्री रोड स्थित द मोमोज कैफे में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को करीब 10 किलो सड़ा चिकन मिला। टीम ने चिकन नष्ट कर दिया और कैफे का लाइसेंस निलंबित कर दिया। स्वास्थ्य विभाग की खाद्य सुरक्षा इकाई ने कैफे का निरीक्षण किया। टीम ने किचन और खाद्य सामग्री रखने की जगह की जांच की।

जांच के दौरान किचन में गंदगी मिली। वहां साफ-सफाई खाद्य सुरक्षा मानकों के मुताबिक नहीं थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कैफे का लाइसेंस निलंबित किया। साथ ही, लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की गई।

वेज-नॉनवेज एक साथ तैयार किया जा रहा था: इसी क्रम में पटना सिटी के मोगलपुरा स्थित 'सिटी मोमो सेंटर' बिना वैध लाइसेंस के संचालित होता मिला। यहां कर्मचारियों का स्वास्थ्य प्रमाणपत्र नहीं था और वेज-नॉनवेज एक साथ तैयार किया जा रहा था। विभाग ने सात दिनों के भीतर वैध लाइसेंस लेने का निर्देश देते हुए तब तक के लिए मोमो के निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी है।

जले तेल का उपयोग किया जा रहा था: लोदीपुर स्थित सिटी सेंटर मॉल की तीसरी मंजिल पर संचालित 'वाउ मोमो एंड वाउ चाइना' की जांच में जले हुए तेल का बार-बार उपयोग पकड़ा गया। टीम ने 21 लीटर जला खाद्य तेल नष्ट कराया और 'इंडो चिली सॉस बेस' का नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा।

घर का ताला तोड़कर 12 लाख के जेवर उड़ाए, 45 हजार नकद भी गायब

एजेंसी, पटना



पटना के मुसल्लहपुर हाट थाना क्षेत्र में चोरों ने बंद दो मंजिला मकान का ताला तोड़कर करीब 10 से 12 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर और 45 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। मकान मालिक सुशील कुमार परिवार के साथ छठ पूजा मनाने ससुराल गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाया। परिवार जब वापस घर लौटा तो घर के दरवाजे का ताला टूटा और सारा समान बिखरा पड़ा मिला। बुधवार को पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवार के साथ ससुराल गए थे मकान मालिक: मकान मालिक सुशील कुमार पटना की एक कपड़े की दुकान में सेल्समैन हैं। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर को वह परिवार के साथ छठ पूजा मनाने आलमगंज स्थित अपने ससुराल गए थे। मकान में रहने वाले किरायेदार भी छठ मनाने हाजीपुर गए हुए थे। इस दौरान घर बंद था।

मुख्य दरवाजे से लेकर अलमारी तक के ताले टूटे मिले: सुशील कुमार के मुताबिक, 17 नवंबर की देर रात घर लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाने पर कमरों का सामान बिखरा हुआ था। कमरों और गोदरेज अलमारी के ताले भी टूटे थे। किरायेदार ने उन्हें चोरी की जानकारी दी। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर और 45 हजार रुपए नकद गायब हैं। पीड़ित ने चोरी गए सामान की कीमत करीब 10 से 12 लाख रुपए बताई है।

FSL और डॉग स्क्वायड की टीम से जांच: घटना के बाद सुशील कुमार ने मुसल्लहपुर हाट थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी ने बताया कि बुधवार को मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के लिए FSL टीम, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सदाकत आश्रम में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के बीच हुई मारपीट

एजेंसी, पटना



पटना के सदाकत आश्रम स्थित बिहार कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को NSUI कार्यकर्ताओं और मीडियाकर्मियों के बीच विवाद हो गया। कुर्सी पर बैठने को लेकर शुरू हुई कहासुनी मारपीट तक पहुंच गई। आरोप है कि इस दौरान पत्रकारों के साथ गाली-गलौज और बदसलूकी की गई। घटना से नाराज मीडियाकर्मियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार कर दिया और विरोध जताते हुए कांग्रेस कार्यालय से बाहर निकल गए।

कन्हैया कुमार के नाम पर भेजा गया था निमंत्रण: जानकारी के अनुसार, NSUI की ओर से बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए मीडिया को सदाकत आश्रम बुलाया गया था। मीडियाकर्मियों को बताया गया था कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इसी सूचना के आधार पर विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकार और कैमरामैन वहां पहुंचे थे। हालांकि, कन्हैया कुमार के नाम से निमंत्रण भेजने के बाद उसमें संशोधन कर दिया गया। इससे भी मीडियाकर्मियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी।

कुर्सी पर बैठने को लेकर बढ़ा विवाद: बताया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यालय में बैठने के लिए कुर्सी को लेकर मीडियाकर्मियों और NSUI कार्यकर्ताओं के बीच विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि इस दौरान कुछ NSUI कार्यकर्ताओं ने पत्रकारों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। घटना के बाद कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

नाराज पत्रकारों ने किया वॉकआउट: घटना से नाराज पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के व्यवहार का विरोध किया और सामूहिक रूप से सदाकत आश्रम से बाहर निकल गए। मीडियाकर्मियों का कहना था कि खबरों के कवरेज के लिए बुलाए गए पत्रकारों के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पटना में रहमानी-30 गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में लगी आग, 60 स्टूडेंट्स को सुरक्षित निकाला

एजेंसी, पटना



- आधे घंटे में दमकल ने पाया काबू, शॉर्ट सर्किट की आशंका

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के अलीनगर स्थित रहमानी-30 गर्ल्स हॉस्टल में बुधवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग हॉस्टल के एक कमरे में लगी, जहां तीन छात्राएं रह रही थीं। जानकारी के मुताबिक, बिजली बोर्ड से निकली चिंगारी से मच्छरदानी में आग पकड़ ली और देखते ही देखते आग बेड तक पहुंच गई। कमरे में धुआं भरने से छात्राएं जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। आवाज सुनकर हॉस्टल की अन्य छात्राएं और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। हॉस्टल में मौजूद सभी 60 छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बिजली बोर्ड से निकली चिंगारी, मच्छरदानी में लगी आग: जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह हॉस्टल के एक कमरे में अचानक बिजली बोर्ड से स्पार्क हुआ। इसकी चिंगारी पास में लगी मच्छरदानी पर गिरी, जिससे उसमें आग लग गई। आग धीरे-धीरे बेड तक पहुंच गई और कमरे में धुआं भरने लगा। कमरे में मौजूद तीनों छात्राओं ने शोर मचाना शुरू किया। छात्राओं की आवाज सुनकर हॉस्टल में रहने वाली अन्य छात्राएं और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद गार्ड और प्रबंधन को सूचना दी गई। हॉस्टल प्रबंधन ने गर्दनीबाग थाने को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

आधे घंटे में दमकल ने आग पर पाया काबू: सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की एक यूनिट मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। समय रहते सभी छात्राओं को हॉस्टल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रहमानी-30 मैनेजमेंट के प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि बिजली बोर्ड से अचानक चिंगारी निकलने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ और मच्छरदानी में आग लग गई। आग बेड तक पहुंच गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही छात्राओं को अग्निशमन से जुड़ी ट्रेनिंग दी गई थी। इसका फायदा मिला और छात्राओं ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत गार्ड और अधिकारियों को सूचना दी। प्रबंधन के अनुसार, सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग को बुलाया गया और दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

खेत में चोरी का सामान छिपाने पर विवाद

एजेंसी, पटना



बाढ़ अनुमंडल के NTPC थाना क्षेत्र के रामनगर में धान काटने को लेकर विवाद के बाद मारपीट और कई राउंड फायरिंग हुई। घटना थाने से करीब आधा किलोमीटर दूर हुई। पत्थरबाजी में एक व्यक्ति घायल हुआ। जानकारी के मुताबिक, दरियापुर गांव के कुछ किसान रामनगर में अपने खेतों में फसल काट रहे थे। इसी दौरान खेत में छिपाकर रखे चोरी के सामान को लेकर विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि सामान किसानों के खेत में छिपाया गया था। किसानों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद उनके साथ मारपीट हुई। दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी हुई।

फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ: घायल व्यक्ति के परिजन विवाद सुलझाने के लिए मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान दूसरे पक्ष ने कई राउंड फायरिंग की। फायरिंग में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सूचना मिलने के बाद NTPC थाना पुलिस जांच में जुट गई। थाना अध्यक्ष डीके प्रजापति ने बताया कि धान काटने को लेकर बच्चों के बीच विवाद हुआ था, जो बढ़ गया। उन्होंने कहा कि फायरिंग की सूचना की जांच की जा रही है।

छठ के बाद बिहार से लौटने वालों को टिकट नहीं

एजेंसी, पटना



छठ खत्म होने के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में काम पर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशनों पर बढ़ गई है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, बेंगलुरु और कोलकाता जाने के लिए कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे। पटना जंक्शन पर प्रमुख ट्रेनों का तत्काल कोटा 60 से 70 सेकेंड में भर जा रहा है। बुधवार को पटना जंक्शन के रिजर्वेशन काउंटर पर सुबह 5 बजे से यात्रियों की कतार लगी थी। कुछ लोग अकेले, तो कुछ पूरे परिवार के साथ टिकट लेने पहुंचे। यात्री फॉर्म भरकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। टिकट पाने के लिए काउंटर पर धक्का-मुक्की भी हुई और कभी-कभी स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

सुबह 10 बजे AC क्लास का तत्काल कोटा खुलते ही पटना से दिल्ली और दूसरे शहरों की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में सीटें भर गईं। स्क्रीन पर 'नो रूम' दिखने लगा। संपूर्ण क्रांति, विक्रमशिला एक्सप्रेस और पटना-पुणे जैसी ट्रेनों में कतार में पहले, दूसरे और तीसरे नंबर पर खड़े यात्रियों को ही कन्फर्म टिकट मिला। चौथे और पांचवें नंबर तक पहुंचते-पहुंचते वेटिंग मिलने लगी।

मनोज झा ने अशोक चौधरी को बताया 'फ्रॉड मंत्री'

एजेंसी, पटना



राज्यसभा सांसद मनोज झा ने बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अशोक चौधरी को 'बड़ा फ्रॉड मंत्री' बताते हुए उनकी एएन कॉलेज में शिक्षक पद पर नियुक्ति और लियन (Lien) लेने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। मनोज झा का आरोप है कि अशोक चौधरी ने विधान परिषद सदस्य रहते हुए शिक्षक पद पर नियुक्ति ली। इसके बाद उन्होंने नौकरी जॉइन करने के अगले ही दिन लियन के लिए आवेदन कर दिया। मनोज झा ने इसे नियमों के खिलाफ बताते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से कार्रवाई की मांग की है। वहीं, रोहिणी आचार्य ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मंत्री आशोक चौधरी के एक साथ तीन पदों पर बने रहने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस मामले में सरकार से फौरम कार्रवाई की मांग की है।

शिक्षक पद पर नियुक्ति को लेकर सवाल: मनोज झा के मुताबिक, अशोक चौधरी ने डॉ. अशोक कुमार के नाम से एएन कॉलेज में शिक्षक पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। उनका चयन भी हो गया और उन्होंने कॉलेज में नौकरी जॉइन कर ली।

नौकरी जॉइन करने के अगले दिन मांगा लियन: मनोज झा ने बताया कि अशोक चौधरी ने कॉलेज में नौकरी जॉइन करने के अगले ही दिन लियन के लिए आवेदन कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि विश्वविद्यालय के नियमों के मुताबिक, प्रोबेशन पीरियड में लियन की अनुमति कैसे दी जा सकती है।

रोहिणी के सवाल- एक मंत्री चाट रहा तीन मलाई, कब होगी कार्रवाई: मंत्री अशोक चौधरी को लेकर रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडियो पोस्ट पर लिखा, 'एक मंत्री .. चाट रहा तीन मलाई .. कब होगी कार्रवाई ? खुद को नीतीश कुमार जी का मानस - पुत्र बताने वाले , नीतीश कुमार जी के चहेते बिहार सरकार के सर्वदलीय मंत्री डॉ. अशोक चौधरी का एक ही समय में मंत्री, विधान परिषद सदस्य और सहायक प्राध्यापक जैसे तीन अलग-अलग पदों पर बने रहना शासन प्रणाली के प्रावधानों , लाभ के पद के संदर्भ में बने नियमों का खुला उल्लंघन है। रोहिणी ने इस मामले में फौरन कार्रवाई की मांग करते हुए लिखा, 'मामला सीधे तौर पर धोखाधड़ी, चार सौ बीसी का है और मंत्री को तत्काल बर्खास्त कर, कानूनी कार्रवाई किए जाने की जरूरत है।'

सिंडिकेट की बैठक में भी उठा मामला: मनोज झा के मुताबिक, 19 अगस्त को यह मामला विश्वविद्यालय की सिंडिकेट बैठक में उठा था। इसके बाद सिंडिकेट ने मामले को राज्यपाल भवन भेज दिया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल भवन की ओर से भी इस मामले में नियमों और कानूनी प्रावधानों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। मनोज झा ने बिहार स्टेट यूनिवर्सिटी एक्ट की धारा 68(2) का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह धारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों को विशेष परिस्थितियों में लियन की सुविधा देती है।

कायाकल्प अभियान में तेजी लाने को डीएम ने अधिकारियों को दिया निर्देश



बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने जिले में संचालित कायाकल्प अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में उनके साथ नगर आयुक्त आशीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह सहित कायाकल्प अभियान से संबंधित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कायाकल्प अभियान को सभी पदाधिकारी गंभीरता से लें। अभियान के तहत स्वीकृत योजनाओं एवं उनके लिए निर्धारित समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए हर हाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने तथा निर्धारित अवधि में सभी कार्यों को पूरा कराने का सख्त निर्देश दिया। वहीं, जिला पंचायत राज पदाधिकारी को पंचायती राज विभाग के अंतर्गत ली गई योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी योजना की तकनीकी अथवा प्रशासनिक स्वीकृति किसी भी स्तर पर लंबित नहीं रहनी चाहिए। साथ ही, अभियान के अंतर्गत ली गई सभी योजनाओं की संबंधित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए।उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कायाकल्प अभियान की नियमित समीक्षा करने तथा पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया, ताकि कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। वहीं, बैठक में पूर्व की समीक्षा के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। इसके तहत मॉडल स्कूल के अतिरिक्त प्रत्येक प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी की देखरेख में एक-एक विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने की प्रगति की जानकारी ली गई। इसके अलावा जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के कायाकल्प की जिम्मेदारी पूर्व की बैठकों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को सौंपी गई थी। जिलाधिकारी ने इसकी भी समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय भवनों का रंग-रोगन कराने के साथ-साथ वहां संचालित रसोईघर एवं शौचालयों को भी सुव्यवस्थित और दुरुस्त करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान भवनहीन विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए भूमि चिह्नित करने के कार्य की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने इस कार्य में हुई प्रगति पर जानकारी ली। समीक्षा में इस दिशा में काफी प्रगति पाई गई। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन स्थलों पर भूमि चिह्नित कर ली गई है, उनका प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराएं। वहीं, जिन स्थानों पर अभी भूमि चिह्नित करने का कार्य शेष है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए भूमि चिह्नित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को गति देने तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने का निर्देश दिया।

मोतीझील में फिर बहेगी स्वच्छ जलधारा, कायाकल्प की कवायद शुरू

» अतिक्रमण हटाने, नहर की सफाई और रिसाव बंद करने की पहल तेज; जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शीघ्र कार्य शुरू करने का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी



शहर की ऐतिहासिक मोतीझील में एक बार फिर स्वच्छ और निर्मल जल पहुंचाने की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल शुरू हुई। इसको लेकर मछुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन चौधरी, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने संयुक्त रूप से चंचल बाबा मठ, चैलाहा पड़रिया टोला, वैतरणी, चोरनिया पुल एवं गौशाला पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम पार्षद प्रतिनिधि जय सिंह, भारत यादव, गुल्लू श्रीवास्तव एवं मुखिया विनय कुमार भी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि कुछ वर्ष पूर्व तक मोतीझील में स्वच्छ पानी का प्रवाह होता था, लेकिन समय के साथ हुए अतिक्रमण, नहर में रिसाव एवं अन्य कारणों से पानी का आना बंद हो गया। आज के संयुक्त निरीक्षण में यह बात सामने आई कि यदि अतिक्रमण हटाया जाए, नहर की समुचित सफाई कराई जाए, रिसाव को बंद किया जाए तथा आवश्यक स्थानों पर नए नालों का निर्माण कराया जाए, तो मोतीझील में फिर से स्वच्छ पानी का प्रवाह शुरू हो सकता है। इस संबंध में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि गंडक नहर विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्य शुरू कराया जाए, ताकि मोतीझील में स्वच्छ पानी पहुंचाने की योजना को धरातल पर उतारा जा सके। वहीं, उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना होगा कि अपने-अपने स्तर से किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटाकर प्रशासन एवं नगर निगम को सहयोग करें। जनसहयोग से ही मोतीझील में दोबारा स्वच्छ जल की धारा प्रवाहित हो सकेगी और मोतिहारी शहर के कायाकल्प का सपना साकार होगा। नगर आयुक्त आशीष कुमार ने भी नहर विभाग के अधिकारियों से अविलंब बातचीत कर आवश्यक कार्य शुरू कराने की बात कही। मोतीझील को स्वच्छ, सुंदर और जल से परिपूर्ण बनाने की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि मोतिहारी की ऐतिहासिक पहचान और शहर के विकास को नई दिशा देने का प्रयास भी है।

जनजातीय गौरव दिवस पर जनसुनवाई का आयोजन



बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के केसरिया एवं कल्याणपुर प्रखंड के विभिन्न आदि सेवा केन्द्रों पर भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनसुनवाई एवं आदि सेवा दिवस का भी आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के तहत केसरिया प्रखंड की पश्चिमी सरोतर पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन एवं बैरिया पंचायत स्थित मध्य विद्यालय, बैरिया तथा कल्याणपुर प्रखंड की दरमाहा पंचायत स्थित सामुदायिक भवन, दरमाहा एवं सिसवा पटना पंचायत के आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या-129 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाने के साथ-साथ जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अनुसूचित जनजाति समुदाय के वैसे लोगों की समस्याएं सुनी गईं, जो विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। लाभुकों ने अपनी समस्याओं एवं कठिनाइयों को अधिकारियों के समक्ष रखा। संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई तथा पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में पहल की गई। इस अवसर पर आदि सेवा केन्द्र, मध्य विद्यालय बैरिया में संतोष कुमार पाण्डेय, जिला कल्याण पदाधिकारी, कुमुद कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, केसरिया, आनंद मोहन बिहारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, केसरिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दहेज हत्या मामले में 12 पर प्राथमिकी, दो गिरफ़्तार

» गले में रस्सी बांधकर हत्या करने का पिता ने लगाया आरोप, थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार बोले- जल्द सभी आरोपित होंगे गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही



थाना क्षेत्र में दहेज को लेकर एक विवाहिता की हत्या किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान गोनाही गांव के वार्ड संख्या- 04 निवासी संदीप यादव की पत्नी सुमन देवी के रूप में हुई है। मृतका के पिता एवं चिरैया थाना क्षेत्र के भेड़ियाही गांव निवासी नारायण राय ने पताही थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी पुत्री की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री को दहेज के लालच में गले में रस्सी बांधकर जान से मार दिया गया। पिता ने मामले में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए अपनी पुत्री को न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। इस मामले में कुल 12 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि मामले में दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष में शोक का माहौल है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, पुलिस की आगे की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

चार नए श्रम संहिताओं को लेकर जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी



श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के तत्वावधान में चार नए श्रम कोड के प्रावधानों की जानकारी देने एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर भवन सभागार (टाउन हॉल), मोतिहारी में एकदिवसीय जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. सिबगतुल्लाह एवं श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि नई श्रम संहिताओं की जानकारी श्रमिकों, नियोजकों एवं संबंधित हितधारकों तक पहुंचाना आवश्यक है। इनका उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा सुरक्षित एवं बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण सत्र में श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने चारों श्रम संहिताओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मजदूरी संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएं संहिता, 2020 के प्रमुख प्रावधानों एवं लाभों से अवगत कराया। वहीं, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से श्रमिकों के अधिकार, नियोजकों की जिम्मेदारियां, न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कार्यस्थल की सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यक्रम में गैस ईएसआईसी के अधिकारी, जिले के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित संबंधित पदाधिकारियों ने भाग लिया।

मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में 10 आरोपित गिरफ्तार, भेजे गए जेल



बीएनएम@ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में हुई घटना के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित मानिकपुर वार्ड नंबर 14 के निवासी हैं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 547/26, दिनांक 16 नवंबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जालंद्र साह, मनीष कुमार, गुड्डू कुमार, रईस साह, पप्पू अंसारी, उमेद अंसारी, सोनू आलम, अल्ताफ अंसारी उर्फ अल्ताफ राजा, तौकीर अंसारी और सलीम अंसारी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेजा जा रहा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'सबका सम्मान, जीवन आसान' के तहत जिलाधिकारी ने की जनसुनवाई

» भूमि विवाद, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज एवं जमीन की मापी से जुड़े मामलों को लेकर पहुंचे फरियादी; वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारियों से लिया गया फीडबैक

बीएनएम@ मोतिहारी





सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत संचालित 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को संध्या 4 बजे अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आम लोगों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई में कुल 16 लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान संबंधित अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। जनसुनवाई के दौरान रामगढ़वा अंचल से पहुंचे विनय कुमार सिंह ने अतिक्रमण से संबंधित शिकायत रखी। उन्होंने बताया कि उनका परिवार दिल्ली में रहता है और छठ पर्व के अवसर पर गांव आने के दौरान उन्होंने अंचल अधिकारी से मिलकर अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया था। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी को भी आवेदन सौंपा। जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी रामगढ़वा को मामले की जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही आवेदक को अंचल अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर मामले का फॉलोअप करने को कहा। कल्याणपुर प्रखंड के खोखरा गांव निवासी धीरज कुमार सिंह ने पैतृक जमीन पर जबरन कब्जा करने और परिवार को धमकी देने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष से उनके बुजुर्ग माता-पिता के साथ गाली-गलौज भी की जा रही है। उन्होंने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने तथा स्थायी समाधान निकालने की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने आवेदन एसडीओ एवं एसडीपीओ, चकिया को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, बंजरिया अंचल के बिट्टू कुमार ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दाखिल-खारिज के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि संबंधित आवेदन को रद्द करने एवं दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर अंचल अधिकारी को आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी से जानकारी ली। अंचल अधिकारी ने बताया कि दूसरे पक्ष को भी नोटिस जारी किया गया है तथा शीघ्र जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। तुरकौलिया अंचल के मुकेश पंडित ने दाखिल-खारिज से संबंधित समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि एक ही खेसरा में अन्य लोगों की जमीन का दाखिल-खारिज कर दिया गया है, जबकि उनकी जमीन का दाखिल-खारिज नहीं किया जा रहा है। इस पर अंचल अधिकारी तुरकौलिया ने बताया कि उनका आवेदन पूर्व में निरस्त हो गया था। जिलाधिकारी ने मामले से संबंधित सभी दस्तावेजों की समुचित जांच कर नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में संग्रामपुर अंचल से पहुंचे विश्वनाथ रावत ने जमीन की मापी नहीं होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि मापी के लिए 11 नवंबर की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन निर्धारित तिथि पर मापी नहीं हो सकी। इस पर अंचल अधिकारी ने बताया कि अमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण मापी नहीं हो पाई थी। जिलाधिकारी ने शीघ्र जमीन की मापी कराने का निर्देश दिया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेते हुए समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा सभी मामलों में नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिले के चिह्नित गांवों में विशेष शिविर लगाकर छूटे लाभार्थियों को खिलाई जा रही दवा

» तीन दिवसीय विशेष अभियान के तहत कुल 364 छूटे हुए और प्रवासी लाभार्थियों को दवा खिलाने का लक्ष्य
» पिपराही के रतनपुर, बसहिया शेख और शिवहर प्रखंड के कुशहर गांव में आयोजित हुआ विशेष स्वास्थ्य शिविर
» मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र और सरकारी पेंशन योजनाओं की भी दी गई विस्तृत जानकारी

बीएनएम @ शिवहर



जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग और सहयोगी संस्थाओं द्वारा हाई प्राथमिकता वाले गांवों में विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। बुधवार को जिले के पिपराही प्रखंड अंतर्गत ग्राम रतनपुर व बसहिया शेख तथा शिवहर प्रखंड के ग्राम कुशहर में विशेष ग्राम शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत पूर्व में दवा सेवन से वंचित रह गए लोगों तक पहुंच बनाने के लिए 18 से 20 नवंबर तक तीन दिनों में कुल 364 लक्षित लाभार्थियों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रवासी और छूटे हुए लोगों पर विशेष फोकस: शिविर के दौरान स्वास्थ्य टीम ने मुख्य रूप से उन लाभार्थियों को लक्षित किया जो रोजगार या अन्य कारणों से बाहर रहने (प्रवासी) के कारण दवा नहीं खा पाए थे। इसके अलावा, पिछले सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) चक्र में छूटे हुए तथा आज तक कभी भी फाइलेरिया की दवा न खाने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें मौके पर ही दवा का सेवन कराया गया।

जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य अधिकारियों की रही सक्रिय भागीदारी: यह पूरा कार्यक्रम संबंधित ग्राम पंचायत के मुखिया, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान सामुदायिक स्तर पर फाइलेरिया से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में वीबीडीएस, बीसीएम के साथ-साथ पीरामल फाउंडेशन, शिवहर के प्रोग्राम लीडर रोहित कुमार और पीओ-सीडी नवीन कुमार मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिव्यांगता प्रमाण पत्र और पेंशन की मिली जानकारी: दवा खिलाने के साथ-साथ शिविर में लिम्फेटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) से ग्रसित मरीजों के पुनर्वास पर भी ध्यान दिया गया। पात्र मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया और सरकार द्वारा मिलने वाली पेंशन योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की कि वे सामुदायिक सहभागिता बढ़ाएं ताकि जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे।

अनुमंडलीय अस्पताल का किया गया औचक निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी



जिला के अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा (भारतीय प्रशासनिक सेवा), सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार एवं अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज द्वारा संयुक्त रूप से बुधवार को किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान जननी एवं बाल सुरक्षा योजना, परिवार नियोजन कार्यक्रम तथा संबंधित अभिलेखों और दस्तावेजों की गहन जाँच की गई। साथ ही, कायाकल्प योजना के अंतर्गत अस्पताल में कराए गए कार्यों की स्थिति का जायजा लेकर उनका मूल्यांकन किया गया। इस क्रम में अधिकारियों ने अस्पताल परिसर, विभिन्न वार्डों, बाह्य रोगी विभाग, दवा वितरण व्यवस्था, साफ-सफाई तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं, निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को तत्काल सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान दिए गए प्रमुख निर्देश :

जननी एवं बाल सुरक्षा योजना : योजना के तहत लंबित भुगतान की प्रक्रिया आज ही पूरी करना सुनिश्चित करें।

परिवार नियोजन कार्यक्रम : निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें तथा सभी अभिलेखों को सही एवं अद्यतन रखें।

कायाकल्प योजना : अस्पताल में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं में आवश्यक सुधार करें।

अभिलेखों का संधारण : सभी पंजी एवं संबंधित दस्तावेजों को नियमित रूप से अद्यतन रखें।

मरीजों की सुविधाएँ : अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। वहीं, अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्देशों के अनुपालन में कोताही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना, स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा मरीजों को सुगम, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

संक्षिप्त समाचार

डीआईजी ने रामनगर थाना किया निरीक्षण

बीएनएम @ बगहा। चंपारण रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक हरिकिशोर राय ने बुधवार को बगहा पुलिस जिला अंतर्गत रामनगर थाना का वार्षिक निरीक्षण किया।



निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों, विभिन्न पंजियों एवं थाने के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीआईजी ने अभिलेखों एवं पंजियों का नियमित और अद्यतन संधारण सुनिश्चित करने, लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने को कहा। साथ ही आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान, संवेदनशील एवं जवाबदेह पुलिसिंग और नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक बगहा राजेश कुमार, रामनगर एसडीपीओ सत्येंद्र राम, थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मझौलिया में अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे की मोहलत

बीएनएम @ बेतिया। मझौलिया बाजार में सड़क एवं सार्वजनिक जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। बुधवार को ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से बाजार में प्रचार कर अतिक्रमणकारियों को कब्जा हटाने के लिए 24 घंटे की अंतिम मोहलत दी गई।



अंचलाधिकारी डॉ. डॉली कुमारी ने बताया कि अतिक्रमण हटाने को लेकर पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन इसके बावजूद सरकारी एवं सार्वजनिक जमीन से कब्जा नहीं हटाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ गुरुवार को बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जा हटाया जाएगा। प्रशासन की चेतावनी के बाद बाजार में अतिक्रमणकारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

गांजा और 64 पीस गोगो के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। इंडो-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए झरोखर थाना पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 17 नवंबर की शाम थाना क्षेत्र के कवैया गांव के पास पान-गुटका की गुमटियों की जांच के दौरान एक गुमटी से 428 ग्राम गांजा और 64 पीस गोगो बरामद किया। मौके से दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर कवैया गांव निवासी मदन प्रसाद जायसवाल का पुत्र है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।



प्रतियोगिता में नौ प्रमंडलों के 150 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम



बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण में 19 एवं 20 नवंबर 2026 को खेल भवन-सह-व्यायामशाला भवन, बेतिया में राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल सेपकटाकरा प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में तिरहुत, पटना, सारण, मगध, दरभंगा, कोसी, मुंगेर, पूर्णिया एवं भागलपुर सहित नौ प्रमंडलों के अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के करीब 150 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के आवासन, खेल मैदान, चिकित्सा दल, पेयजल एवं सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए। प्रतियोगिता का उद्घाटन 19 नवंबर को सुबह 10 बजे होगा।

पुलिस की कार्रवाई, पांच आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिले में बुधवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 13 वारंटों का निष्पादन किया गया तथा पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 22.5 लीटर शराब बरामद करने के साथ एक मोटरसाइकिल भी जब्त की। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पटखौली थाना पुलिस ने वारंट के आधार पर रामेश्वर यादव एवं विशाल सहनी को गिरफ्तार किया। रामनगर थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं एवं एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज मामले में अनमोल यादव को गिरफ्तार किया। वाल्मीकिनगर थाना पुलिस ने मद्यनिषेध अधिनियम के तहत संतोषी देवी को गिरफ्तार करते हुए 20 लीटर चुलाई शराब बरामद की। पिपरासी थाना पुलिस ने मनीष कुमार को गिरफ्तार किया, जबकि भितहा थाना पुलिस ने धनंजय कुशवाहा को गिरफ्तार करते हुए 2.5 लीटर अंग्रेजी शराब एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। वहीं, यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर चलाए गए वाहन जांच अभियान में 326 वाहनों की जांच की गई तथा नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से 83 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

टिकुलिया में संतमत सत्संग के 115वें अधिवेशन की तैयारी तेज

बीएनएम @ मधेपुरा। कुमारखंड प्रखंड के बिशनपुर बाजार पंचायत अंतर्गत टिकुलिया में 21, 22 एवं 23 नवंबर को अखिल भारतीय संतमत सत्संग का 115वां अधिवेशन आयोजित होगा। अधिवेशन को लेकर यज्ञ स्थल पर भव्य पंडाल निर्माण का कार्य कारीगरों, मजदूरों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा युद्धस्तर पर किया जा रहा है।



बुधवार को कार्यकारी अध्यक्ष योगेंद्र मेहता ने बताया कि अधिवेशन में देश-विदेश एवं विभिन्न प्रदेशों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। प्रवचन के लिए स्वामी वेदानंद जी महाराज, स्वामी अमृतानंद जी महाराज, स्वामी कुंदन बाबा सहित अन्य संतों के आगमन की संभावना है। कार्यक्रम में करीब दो लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। श्रद्धालुओं के लिए समिति की ओर से निःशुल्क ठहरने, भोजन, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा शिविर, शौचालय एवं सुरक्षा की व्यवस्था की जा रही है। वाहन पार्किंग के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। अधिवेशन को सफल बनाने में अध्यक्ष योगेंद्र मेहता, भूपेंद्र नारायण मंडल, सचिव विपिन कुमार, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार निराला, महेंद्र यादव, उपसचिव उपेंद्र मेहता, पूर्व मुखिया अनमोल यादव, रामनंद यादव, सुमन कुमार, अमित कुमार, भागवत यादव, अनमोल मेहता, दिनेश मेहता, रामचंद्र मेहता सहित सैकड़ों ग्रामीण जुटे हैं।

सीमावर्ती युवाओं को हुनरमंद बना रही एसएसबी

बीएनएम @ छौड़ादानों



सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसएसबी की 71वीं वाहिनी की ओर से महुआवा कैंप के तत्वावधान में सतगुरु महंत राम खेलावन गोस्वामी प्लस टू हाई स्कूल, कटगेनवा-महुआवा में आयोजित 30 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। साथ ही दोपहिया वाहन मरम्मत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ भी हुआ। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन एसएसबी कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार, सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं नरकटिया विधायक विशाल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। प्रशिक्षण के दौरान सीमावर्ती गांवों के 25 युवाओं को भवन निर्माण एवं तकनीकी कार्यों से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि एसएसबी सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। युवाओं को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार और रोजगार से जोड़ना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए बैंक ऋण एवं वित्तीय सहायता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि दोपहिया वाहन मरम्मत का प्रशिक्षण युवाओं के लिए रोजगार की नई राह खोलेगा। इससे वे अपना गैराज या सर्विस सेंटर स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। सांसद डॉ. संजय जायसवाल और विधायक विशाल कुमार ने एसएसबी की इस पहल की सराहना करते हुए युवाओं से ऐसे कार्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर एसएसबी इंस्पेक्टर मो. साजिद, मुखिया संतोष कुमार गिरी, ध्रुव प्रसाद, सुरेंद्र तिवारी, अवधेश कुमार, पन्नालाल प्रसाद, प्रेमचंद्र जायसवाल, ज्योतिनारायण चौधरी, त्रिभुवन कुमार, झुना कु. सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, छह घायल, चार बेतिया रेफर



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तुमकड़िया गांव में बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद मंगलवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें लाठी-डंडे एवं धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया। घटना में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए, जबकि गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बेहतर इलाज के लिए बेतिया रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, बच्चों के बीच हुई कहासुनी देखते ही देखते बड़ों तक पहुंच गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान धीरज मणि तिवारी के पेट में चाकू लग गया। वहीं, दूसरे पक्ष के जनार्दन मणि तिवारी, मुकुल मणि तिवारी, मीना देवी, सलोनी कुमारी एवं विक्की मणि तिवारी घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. अबरार ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर स्थिति को देखते हुए चार घायलों को बेतिया रेफर कर दिया गया। धीरज के भाई सुधीर मणि तिवारी ने विक्की मणि तिवारी पर चाकू मारने का आरोप लगाया है, जबकि विक्की ने अपने घर पर सामूहिक हमला किए जाने की बात कही है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने को कोसी की टीम जमुई रवाना

बीएनएम @ सहरसा



सहरसा। जमुई में 17 से 21 नवंबर तक आयोजित अंतर प्रमंडल अंडर-17 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोसी प्रमंडल की टीम रवाना हुई। टीम में सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा के 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अंकित यादव टीम के कप्तान होंगे, जबकि राहुल कुमार कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। कोसी प्रमंडल क्रिकेट संयोजक एवं बिहार जूनियर क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रोशन सिंह धोनी ने बताया कि पहले तीनों जिलों में जिला स्तरीय टीमों का चयन किया गया। इसके बाद एमएलटी कॉलेज, सहरसा में चयनित खिलाड़ियों के बीच मैच आयोजित हुआ, जिसमें सहरसा की टीम विजेता रही। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर तीनों जिलों से बेहतर खिलाड़ियों का चयन प्रमंडलीय टीम के लिए किया गया। सहरसा से अंकित यादव, उज्ज्वल सिंह, सुधांशु कुमार, मो. मिमतुल, यश राज, स्ववीभाष तेजस्वी एवं आदित्य आनंद, मधेपुरा से मो. निहाल राज, सैयद रोबाब, अश्वनी राज, केशव कुमार एवं करण कुमार तथा सुपौल से अभिषेक कुमार, अनुपम आनंद एवं आकाश कुमार झा टीम में शामिल हैं। टीम की रवानगी के अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी कुमारी तौसी, चयन समिति के सदस्य पंकज ठाकुर, कुणाल चौधरी, अमित यादव, शशि भूषण यादव, प्रमोद झा, सनी सिंह, सैयद शमी अहमद एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा सहित अन्य खेलप्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर प्रमंडल का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई।

क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दिन जनप्रतिनिधि और घैलाढ़ ओपी टीम विजयी

बीएनएम @ मधेपुरा



मधेपुरा। घैलाढ़ प्रखंड के राजकीय कामेश्वर 10+2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, परमानपुर जागीर के खेल मैदान पर आयोजित 10 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का बुधवार को शुभारंभ हुआ। पहले दिन खेले गए दोनों मुकाबलों में जनप्रतिनिधि टीम और घैलाढ़ ओपी की टीम ने जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का उद्घाटन बिहार सरकार की पूर्व महिला आयोग सदस्य एवं घैलाढ़ प्रखंड की पूर्व प्रथम जिला परिषद सदस्य प्रो. गीता यादव ने फीता काटकर एवं बल्लेबाजी कर किया। पहले मुकाबले में जनप्रतिनिधि टीम ने टॉस जीतकर निर्धारित 16 ओवर में 127 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए घैलाढ़ अंचल टीम 14 ओवर में 104 रन पर सिमट गई। जनप्रतिनिधि टीम ने 24 रनों से जीत दर्ज की। बेहतर प्रदर्शन के लिए मुखिया विमल कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में परमानंदपुर थाना टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 179 रन बनाए। जवाब में घैलाढ़ ओपी की टीम ने 11.4 ओवर में 180 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में निवास कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले मुकाबले में अंचल टीम का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी अविनाश कुमार तथा जनप्रतिनिधि टीम का नेतृत्व जिला पार्षद प्रतिनिधि डॉ. विनीत कुमार आर्यन ने किया। आयोजन के दौरान अनुराग शर्मा अक्की ने कमेंट्री की, जबकि निर्णायक की भूमिका दीपक प्रकाश रंजन एवं रूपक प्रकाश रंजन ने निभाई। दोनों मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आयोजन को ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा निखारने एवं खेल भावना और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने की पहल बताया गया।

खाप लाला छपरा में खानापूरी पर्चा वितरण शुरू



बीएनएम @ केसरिया

केसरिया। राजस्व ग्राम खाप लाला छपरा में बुधवार को विशेष भूमि सर्वेक्षण के तहत खानापूरी पर्चा (प्रारंभिक खतियान) वितरण शुरू किया गया। विशेष सर्वेक्षण शिविर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला बंदोबस्त पदाधिकारी कुमार विवेकानंद, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी इंद्रासन साह एवं शिविर प्रभारी अशोक कुमार की मौजूदगी में रैयतों को पर्चा वितरित किया गया। जिला बंदोबस्त पदाधिकारी ने बताया कि जिले के प्रथम राजस्व ग्राम खाप लाला छपरा में वितरण की शुरुआत हुई है। पहले दिन करीब चार दर्जन रैयतों को पर्चा दिया गया, जबकि शेष रैयतों को चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। पर्चे में खाता, खेसरा, रैयत के नाम सहित अन्य विवरण में त्रुटि होने पर संबंधित रैयत फॉर्म-8 भरकर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं, जिसका 15 दिनों के भीतर निष्पादन किया जाएगा। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद खतियान का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। कार्यक्रम में कानूनगो धर्मेंद्र कुमार, राजस्व अमीन बृजेश कुमार, विशेष सर्वेक्षण अमीन प्रभात निश्चल, विशाल कुमार, सुरभि कुमारी सहित अन्य कर्मी एवं रैयत मौजूद रहे।

जंगल सफारी में पेड़ पर दिखा लेपर्ड, रोमांचित हुए पर्यटक



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) की मंगुराहा जंगल सफारी में बुधवार को पर्यटकों को पेड़ पर आराम फरमाता लेपर्ड दिखाई दिया। वन्यजीव को उसके प्राकृतिक आवास में देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे। बुधवार शाम करीब 3:30 बजे जंगल सफारी शुरू होने के दौरान पर्यटक वन्यजीवों की तलाश में जंगल का भ्रमण कर रहे थे। इसी क्रम में पेड़ पर बैठे लेपर्ड की झलक ने सफारी को यादगार बना दिया। पटना से शशि शेखर एवं शिखा कुमारी अपने परिवार के साथ मंगुराहा पहुंचे थे। उनके साथ रीना कुमारी, श्रियादित्ता एवं श्रीहान भी मौजूद थे। लेपर्ड को देखकर सभी काफी उत्साहित हुए। पर्यटकों ने सफारी के दौरान सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए गाइड विकास कुमार तथा चालक दयानंद कुमार की सराहना की। मंगुराहा जंगल सफारी में वन्यजीवों के दीदार ने पर्यटकों के उत्साह को बढ़ाया और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व की प्राकृतिक सुंदरता एवं वन्यजीव विविधता के प्रति आकर्षण को दर्शाया।

बेतिया में दिनदहाड़े ज्वैलरी शोरूम में लूट



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया में बुधवार को हथियारबंद अपराधियों ने दिनदहाड़े ज्वैलरी शोरूम में लूट की घटना को अंजाम दिया। कालीबाग थाना क्षेत्र के सुप्रिया सिनेमा रोड स्थित सैनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में छह से आठ की संख्या में पहुंचे अपराधियों ने हथियार के बल पर लूटपाट की। अपराधियों ने शोरूम में कर्मचारियों को भयभीत कर सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी लूट ली। विरोध करने पर एक कर्मचारी को बंदूक की बट से मारकर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही चंपारण रेंज के डीआईजी हर किशोर राय एवं एसएसपी कुमार गौतम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी में जुटी है। लूटी गई संपत्ति की वास्तविक कीमत का आकलन किया जा रहा है तथा मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

सुदामानगर में भीषण अगलगी, दो घर राख

बीएनएम @ बेतिया



बेतिया। नौतन विधानसभा क्षेत्र के सुदामानगर गांव में मंगलवार शाम शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। अगलगी में घरों में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर समेत लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। वहीं, तीन बकरियों की भी जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जिसने देखते ही देखते बंधु राउत एवं मोटर राउत के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय दोनों परिवार शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जिससे घरों में कोई मौजूद नहीं था। आग लगने की सूचना पर ग्रामीणों ने पुलिस एवं दमकल विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम और दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों घरों की संपत्ति जलकर नष्ट हो चुकी थी। अगलगी के बाद पीड़ित परिवारों के सामने रहने एवं रोजमर्रा की जरूरतों का संकट उत्पन्न हो गया है। पीड़ितों ने प्रशासन से क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा एवं राहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

'संकल्प संध्या' शुरू, मिलेगी निःशुल्क कोचिंग

बीएनएम @ बेतिया



बेतिया। पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरणजोत सिंह ने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'संकल्प संध्या' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके तहत कक्षा नौवीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को शाम में निःशुल्क उपचारात्मक कक्षाएं (रेमेडियल क्लास) संचालित की जाएंगी। इसके लिए शहर के दो विद्यालयों को चिह्नित किया गया है। राज इंटर कॉलेज में बालकों तथा एसएस गर्ल्स हाई स्कूल में बालिकाओं की कक्षाएं संचालित होंगी। यह कार्यक्रम 17 नवंबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक चलेगा और कक्षाओं का समय शाम पांच बजे से 7:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों को अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, कंप्यूटर साइंस एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पढ़ाई के साथ गृहकार्य एवं परीक्षा की विशेष तैयारी कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य संसाधनों के अभाव में किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं होने देना है। शुभारंभ के अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार एवं डीपीओ दीपक कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। इच्छुक विद्यार्थी संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक के पास पंजीकरण करा सकते हैं। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है। दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा-स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म-विश्वास दिया।

अब आत्म-विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चैंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतज़दा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चैंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

सोनिया ने प्रेम लिखा, हमने राजनीति पढ़ी

श्रुति व्यास

सोनिया गांधी ने 'बिलॉन्गिंगó में भारत से अपने जुड़ाव की कहानी लिखी है। राजीव के संग धड़के अपने दिल को याद किया है। फिर उस प्रेम के सहारे एक अनजान देश में आने, उसमें रचने-बसने, उसके सुख-दुख को अपनी साँसों में उतारने की कहानी कही है। मगर जिस स्त्री ने इतने वर्षों बाद अपने प्रेम, संकोच, उलझनों, दुख और स्मृतियों को शब्द दिए, उसकी अपनी कहानी पीछे छूट गई है। और लोग अपने-अपने आग्रह-पूर्वाग्रह से राय बना रहे हैं। बाल की खाल निकाल रहे हैं। किताब अभी आई ही है कि हिसाब लग रहा है। इससे किसे फायदा होगा, किसे नुकसान? किस प्रसंग से कांग्रेस को लाभ मिलेगा, किस खुलासे से भाजपा को हमला करने का मौका मिलेगा? किस स्मृति से राहुल गांधी की छवि बनेगी और किस चुप्पी से सोनिया गांधी को कठघरे में खड़ा किया जा सकेगा? किताब के पन्ने खुले नहीं कि दशकों पुरानी स्मृतियाँ ब्रेकिंग न्यूज बन गईं। पुस्तक के अंशों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर घूम रही हैं। भौकाल है, बिक्री है, राजनीतिक शोर है। बस उस स्त्री की कहानी सुनने, उसे महसूस करने की फुरसत नहीं है, जिसने इतने वर्षों बाद अपनी कहानी खुद कही है। दरअसल, भारत कभी तय नहीं कर पाया कि सोनिया गांधी को क्या माने। उन्हें अपनाया भी, उन पर संदेह भी किया। उन्हें सत्ता के शिखर तक पहुँचाया, तो बदनाम करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। दशकों से यह बहस चलती रही कि वे सचमुच भारत की अपनी हैं भी या नहीं। इसमें एक विचित्र विडंबना है। जिस देश में विवाह के बाद स्त्री को पति के परिवार का हिस्सा मान लिया जाता है, उसी देश में सोनिया गांधी का उस परिवार और देश से जुड़ाव हमेशा सवालों के घेरे में रहा। हालाँकि किसी दूसरी संस्कृति, दूसरे परिवेश में विवाह करके जाने वाली स्त्री जानती है कि नए संसार का अपना होना इतना आसान नहीं होता। उसमें समय लगता है। स्नेह और सामंजस्य से, उन रीति-रिवाजों को अपनाने से, जिन्हें कोई समझाता नहीं, और उन अपेक्षाओं को पूरा करने से, जिन्हें कोई खुलकर बताता नहीं। कभी-कभी किसी अपने को खोने के बाद ही उस संसार से रिश्ता गहरा होता है। इसीलिए मैंने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगó उनकी राजनीति को समझने के लिए नहीं उठाई। उस बारे में तो वर्षों से पढ़ती आई हूँ। किताब उठाने का कारण उसके मुखपृष्ठ पर छपी एक युवती की आँखें थीं। कुछ खोजती हुईं, कुछ सोचती हुईं आँखें। मैं जानना चाहती थी कि कभी वह दुनिया उन्हें कैसी दिखाई देती थी। जब वे प्रेम में थीं और नहीं जानती थीं कि आगे क्या होने वाला है। इतने वर्षों बाद आखिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने अपने मन की बातें कहने का फैसला किया? अपनी उलझनों, संकोचों, इच्छाओं और दुखों को, भले कुछ ही सही, दूसरों के सामने खोलना चाहा? मैं समझना चाहती थी कि बार-बार अपनी दुनिया को बिखरते देखना कैसा होता है। और हर बार उसके टुकड़ों को समेटकर फिर जीवन बनाना कैसे संभव होता है? वह जीवन, जिसमें प्रेम है, अपनों को खोने का दुख है, स्मृतियाँ हैं और लगातार यह तलाश है कि आखिर अपना कौन है, अपना घर कहाँ है। शायद मुखपृष्ठ की वे आँखें ही इस किताब का असली आकर्षण हैं। राजीव गांधी के कैमरे से ली गई सोनिया की श्वेत-श्याम तस्वीर। एक युवती, जिसके जीवन पर अभी इतिहास ने अपना दावा नहीं किया था। चेहरे पर सहजता है, अपने होने का आत्मविश्वास है। आँखों में कुछ खोजने, कुछ जानने की उत्सुकता है। और कोमलता के भीतर एक दृढ़ता भी झलकती है। किताब पलटिए। पिछले आवरण पर फिर सोनिया हैं। मगर कई दशक बाद की। इस बार तस्वीर उनके पोते ने ली है। रंगीन तस्वीर में वे खुलकर मुस्करा रही हैं। ऐसी आत्मीय मुस्कान, जिसमें न संकोच है, न किसी को कुछ जताने की कोशिश। मानो जीवन से अब कोई शिकायत नहीं। दोनों तस्वीरों को साथ देखिए। पहली में एक युवती अपने खयालों में खोई हुई है। आगे की दुनिया से बेखबर। दूसरी में वही स्त्री है, जिसने उस दुनिया को जी लिया है। प्रेम किया, परिवार बसाया, अपनों को खोया, सत्ता को करीब से देखा और ऐसे आघात सहे, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की होगी। फिर भी चेहरे पर सहज मुस्कान है। मानो जिंदगी ने जो दिया, जो छीना, उसके बाद अब किसी को कुछ साबित करना बाकी नहीं रहा। और इन दो तस्वीरों के बीच? एक पूरी जिंदगी है। ऐसी जिंदगी जिसे भारत ने दशकों तक देखा। उसके हर कदम पर राय बनाई। कभी अपनाया, कभी ठुकराया। उसके फैसलों की चीरफाड़ की, उसके इरादों पर संदेह किया। यहाँ तक कि उसकी निजी जिंदगी भी देश की राजनीतिक बहसों का हिस्सा बन गई। मगर अजीब है कि जिस चेहरे को भारत इतने वर्षों से जानता है, उस चेहरे के पीछे की स्त्री को कितना कम जानता है! राजीव से प्रेम करने वाली वह युवती कौन थी? भारत आने से पहले उसके सपने क्या थे? वह क्या चाहती थी? क्या सोचती थी? सोनिया गांधी बनने से पहले की सोनिया को जानने की उत्सुकता आखिर कितनों में रही? और जब विवाह, परिवार, देश और फिर इतिहास ने उसके जीवन की दिशा बदल दी, तब उसके भीतर की उस युवती का क्या हुआ? वह कितनी बची, कितनी बदली? हमने तो उसके जीवन का अर्थ भी अपनी-अपनी राजनीति से तय कर दिया। लेकिन उससे कभी पूछा ही नहीं कि उसने अपनी जिंदगी को कैसे जिया, कैसे समझा। 'बिलॉन्गिंगó एक ऐसे घर के भीतर ले जाती है, जिसे भारत पीढ़ियों से देखता आया है। मगर हमेशा बाहर से। नेहरू-गांधी परिवार की राजनीति, सत्ता, उसके उतार-चढ़ाव और विवादों के बारे में कितना कुछ लिखा-पढ़ा गया है। लेकिन उस घर के भीतर की जिंदगी? वहाँ भी वही रिश्ते हैं, जो किसी दूसरे परिवार में होते हैं। अपनापन है, छोटी-मोटी खटपट है, अनकही अपेक्षाएँ हैं, रिश्तों को निभाने की जिम्मेदारियाँ हैं। सोनिया की परिस्थितियाँ जरूर असाधारण थीं, लेकिन उनकी स्मृतियों में एक साधारण स्त्री की उलझनें भी हैं। एक नए घर में अपनी जगह बनाने की कोशिश। दूसरी भाषा, दूसरी संस्कृति, दूसरे रीति-रिवाजों को अपनाने की मुश्किल। और इस सबके बीच अपने पुराने घर, अपने देश, अपने बचपन का कुछ हिस्सा अपने भीतर बचाए रखने की चाह। सोचिए, इटली की एक युवती विवाह करके ऐसे परिवार में आई, जिसका इतिहास स्वतंत्र भारत के इतिहास से जुड़ा हुआ था। घर की मुखिया इंदिरा गांधी थीं। देश की प्रधानमंत्री। घर में सत्ता का वैभव था, प्रतिष्ठा थी, सुविधाएँ थीं। लेकिन क्या इन सबसे कोई अनजान घर अपना हो जाता है? क्या प्रधानमंत्री की बहू बन जाने से एक युवती की वे उलझनें खत्म हो जाती हैं, जो विवाह के बाद किसी नए संसार में कदम रखते हुए होती हैं? और क्या सत्ता की ताकत किसी को आने वाले दुखों से बचा सकती है? सोनिया ने तो राजीव से प्रेम किया था। उनके साथ जीवन बिताने के लिए भारत को चुना था। राजनीति नहीं चुनी थी। सत्ता की विरासत नहीं माँगी थी। वह तो बहुत बाद में ऐसी परिस्थितियों में उनके हिस्से आई, जिनकी उन्होंने शायद सपने में भी कल्पना नहीं की होगी। किताब पढ़ते हुए मुझे बार-बार लगता है कि हम दो अलग-अलग सोनिया को देख रहे हैं। एक वह स्त्री, जो अपने जीवन को याद कर रही है। अपने प्रेम, परिवार, संकोच, सुख-दुख और बिछुडऩे वालों को। दूसरी वह सोनिया गांधी, जिसे भारत ने दशकों की राजनीति में अपने हिसाब से गढ़ रखा है। किसी के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति, किसी के लिए सत्ता की महत्वाकांक्षी, किसी के लिए विदेशी और किसी के लिए नेहरू-गांधी परिवार की विरासत सँभालने वाली नेता। मगर इन तमाम छवियों के पीछे जो स्त्री है, वह कहाँ है? किताब में वह अपनी बात कह रही है। और हम हैं कि उसकी बात सुनने के बजाय फिर उसी पुरानी राजनीतिक सोनिया को खोज रहे हैं। किताब आई और एक बार फिर राजनीति की सोनिया, उस सोनिया पर भारी पड़ गईं, जो अपनी जिंदगी सुना रही हैं। किस घटना का क्या अर्थ है, किस स्मृति में कितना सच है, किस प्रसंग में कौन-सा राजनीतिक खुलासा छिपा है? बहस इन्हीं बातों पर चल पड़ी। लेकिन उन घटनाओं को जीने वाली स्त्री के बारे में जानने की उत्सुकता कितनों में थी? उसकी आँखों से उस समय को देखने की कोशिश किसने की? मानो सोनिया गांधी की अपनी कोई जिंदगी थी ही नहीं। जो था, वह सब राजनीति थी। पुराने विवाद लौट आए। वही आरोप, वही संदेह। वही धारणा कि सत्ता की महत्वाकांक्षा तो शुरू से रही होगी। मानो इटली से भारत आई उस युवती को पहले दिन से मालूम था कि एक दिन उसे कांग्रेस की कमान सँभालनी है। राजीव से प्रेम, विवाह, बच्चे, घर-परिवार, सुख-दुख, सब जैसे किसी दूरगामी राजनीतिक योजना के हिस्से थे। वह जो कुछ कर रही थी, उसका एक ही लक्ष्य था—सत्ता! तब क्या प्रेम भी सत्ता तक पहुँचने का रास्ता था? क्या उस युवती की अपनी इच्छाएँ, अपने सपने, अपनी पसंद-नापसंद कुछ नहीं थीं? एक स्त्री, दो तस्वीरें और अनसुनी कहानी। दरअसल, हम किसी की जिंदगी को उसके आखिरी मुकाम से समझने की गलती करते हैं। जो व्यक्ति आज जहाँ खड़ा है, मान लेते हैं कि वह शुरू से वहीं पहुँचना चाहता था। सोनिया गांधी के साथ भी यही हुआ। राजीव से उनका विवाह सत्ता की ओर पहला कदम मान लिया गया।

राजनीति से दूर रहने की उनकी इच्छा को चालाकी का पर्दा बताया गया। और जब उन्होंने कांग्रेस का नेतृत्व सँभाला तो उसे इस बात का सबूत बना दिया गया कि देखिए, महत्वाकांक्षा तो शुरू से थी! बस छिपाकर रखी गई थी।

उधर सोनिया के प्रशंसकों ने भी अपनी एक अलग कहानी बना ली। उनके लिए सोनिया हमेशा त्याग करने वाली स्त्री हैं। पहले पति के लिए अपना देश छोड़ा। फिर परिवार के लिए अपने को समर्पित किया। और अंततः कर्तव्य निभाने के लिए राजनीति में आईं। मानो उन्होंने जीवन में जो कुछ किया, वह सब दूसरों के लिए किया। अपनी कोई इच्छा नहीं, कोई महत्वाकांक्षा नहीं। एक तरफ सत्ता की भूखी सोनिया, दूसरी तरफ त्याग की देवी। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी सोनिया बना ली। असली सोनिया कहाँ हैं? क्या मनुष्य हमेशा वैसा ही रहता है, जैसा बीस-पच्चीस वर्ष की उम्र में था? क्या परिस्थितियाँ उसे नहीं बदलतीं? क्या जीवन के अनुभव, आघात, जिम्मेदारियाँ और अवसर उसकी इच्छाओं को नया रूप नहीं देते?

तीन नेता, एक मेज़, और सवाल यह कि बटन किसके हाथ में है?



डॉ. पूर्णेन्दु रंजन

दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्तियाँ शेन्ज़ेन में आमने-सामने बैठ रही हैं। असली प्रश्न यह नहीं कि वे क्या तय करेंगी, बल्कि यह है कि किसी भी नेता और युद्ध के बीच कौन-सी बाधा खड़ी है। 19 नवंबर को अमेरिका, रूस और चीन के नेता चीन के शहर शेन्ज़ेन में एक मेज पर बैठने वाले हैं। बीजिंग ने पुष्टि की है कि यह तीनों की पहली त्रिपक्षीय शिखर बैठक होगी। मंच एक आर्थिक सम्मेलन का हाशिया है, पर मेहमानों की सूची हाशिये की नहीं। ये तीनों दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्तियाँ हैं, और हर एक किसी न किसी टकराव में—सीधे या परोक्ष रूप से—ऐसे पक्षों के साथ उलझी है जिनके पीछे दूसरे खड़े हैं। ऐसी बैठक को आत्म-रक्षा की कवायद समझना स्वाभाविक है। जो राष्ट्र तीसरे देशों की ज़मीन पर एक-दूसरे से भिड़ते हैं, उनका भी साझा हित इसमें है कि बात सीधे युद्ध तक न पहुँचे। व्हाइट हाउस के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप परमाणु हथियारों में कटौती का मुद्दा उठाना चाहते हैं और इनके प्रसार को बेहद ख़तरनाक बताते हैं। शीत युद्ध की मिसाल सामने है। हॉटलाइन, हथियार-सीमा वार्ताएँ और टकराव के नियम उन्हीं विरोधियों ने गढ़े थे जो अपनी धरती को किसी भूल के कहर से बचाना चाहते थे। इस अर्थ में इस शिखर बैठक को परस्पर जोखिम-प्रबंधन की तरह पढ़ा जा सकता है। पर "बस इतना ही" कहने पर संदेह रखना चाहिए। चीन ने कोई आधिकारिक एजेंडा जारी नहीं किया है, और ख़बरों के अनुसार ईरान पर भी चर्चा हो सकती है। प्रतिष्ठा का पहलू भी है—मेज़बान को बाक़ी दोनों को जुटाने का लाभ मिलता है। अर्थव्यवस्था मायने रखती है, क्योंकि प्रतिबंध, ईंधन-बाज़ार और शुल्क सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय हित जुड़े हैं। घरेलू राजनीति भी है: हर नेता को तब लाभ होता है जब वह प्रतिद्वंद्वियों से बराबरी के साथ बात करता दिखे। अपेक्षाएँ सीमित रह सकती हैं। क्रेमलिन का कहना है कि पुतिन-ट्रंप की अलग द्विपक्षीय मुलाक़ात पर अभी सहमति नहीं बनी है। आशावाद के नीचे कड़वी सच्चाई भी है। तीनों की सुरक्षा का अर्थ बाक़ी सबकी सुरक्षा नहीं होता। जिन मोर्चों पर ये होड़ें लड़ी जाती हैं, उनकी कीमत वहीं चुकाई जाती है। महाशक्तियों की वार्ता के पक्षधर कहते हैं कि परमाणु ख़तरा घटे तो पूरी दुनिया का भला होता है। आलोचक, विशेषकर छोटे और अग्रिम पंक्ति वाले देश, आशंका जताते हैं कि ताक़तवर लोग आपस में जो फ़ैसले कर लेते हैं, वे अक्सर उन लोगों के बिना होते हैं जो उनके नतीजे भुगतते हैं। यहीं से एक पुरानी बहस खुलती है: ज़्यादा ख़तरनाक क्या है—हथियार या उसे चलाने वाला हाथ? दोनों प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। ख़तरा सामर्थ्य और इच्छा का गुणनफल है, और दोनों एक-दूसरे को और भयावह बनाते हैं। हथियार तब तक निर्जीव है जब तक कोई उसके इस्तेमाल का फ़ैसला न करे। बीती सदी की ज़्यादातर सामूहिक मौतें पारंपरिक साधनों से हुईं। किसी समाज की जीवनदायी चीज़ें—बिजलीघर, बाँध, खेत और जलप्रणालियाँ—एक भी परमाणु बम के बिना तबाह की जा सकती हैं। नाज़ुक घड़ियों में फ़ैसला विवेक ने भी किया है। 1962 में कैनेडी और ख़्रुश्चेव कगार से पीछे हटे, और 1983 में सोवियत अधिकारी स्टानिस्लाव पेत्रोव ने झूठे मिसाइल-अलर्ट को असली हमला मानने से इनकार कर दिया। फिर भी परमाणु हथियार ग़लत फ़ैसले की क़ीमत बदल देते हैं। पारंपरिक युद्ध हारा या रोका जा सकता है, पर परमाणु विनिमय को पलटा नहीं जा सकता। इसीलिए हथियार-नियंत्रण ज़रूरी है। वह किसी भी नेता—आज के या कल के—के हाथों होने वाली तबाही की सीमा बाँधता है, क्योंकि शस्त्रागार अपने मालिकों से ज़्यादा जीते हैं। "युद्धोन्मादी" शब्द के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। लगभग हर नेता को उसके विरोधी यह उपाधि दे देते हैं। ज़्यादा भरोसेमंद कसौटियाँ वे हैं जिन्हें देखा जा सके: बल प्रयोग पहला विकल्प है या अंतिम? युद्ध के क़ानूनों और आम नागरिकों की रक्षा का सम्मान होता है या नहीं? समझौते निभाए जाते हैं या नहीं? और क्या संस्थाएँ किसी एक व्यक्ति के युद्ध छेड़ने के निर्णय पर रोक लगा सकती है आख़िरी कसौटी हमें मामले की जड़ तक ले जाती है। ज़्यादातर देशों में औपचारिक रूप से कोई एक व्यक्ति अकेला युद्ध शुरू नहीं करता। विधायिका उसकी घोषणा करती है, बजट उसे पोसता है, और सेना तथा नौकरशाही उसे अंजाम देती है। असल ख़तरा उस व्यवस्था से है जिसे इतना मोड़ा जा सकता हो कि उसकी रोकें काम करना बंद कर दें। यह क़ब्ज़ा एक झटके में नहीं होता। यह छोटे-छोटे क़दमों का सिलसिला होता है—आपातकालीन शक्तियाँ जो कभी पूरी तरह वापस नहीं ली जातीं, सूचनाओं पर नियंत्रण, योग्यता के बजाय वफ़ादारी के आधार पर नियुक्तियाँ, और ऐसे नियम-बदलाव जो अदालतों तथा निगरानी संस्थाओं को कमज़ोर करें। यह अकेले नहीं होता। इसके लिए ऐसे अभिजन चाहिए जो साथ चलें, ऐसे अधिकारी जो आदेश मानें, और ऐसी जनता जो डरी हुई हो या उत्साहित की गई हो। इसीलिए इसका प्रतिरोध भी संभव है। पर जब रोकें कमज़ोर हो चुकी हों, तो चुनाव, अदालतें और स्वतंत्र प्रेस जैसे सामान्य उपाय ख़ुद कमज़ोर पड़ चुके होते हैं। तब बाहरी दबाव, भीतर से इनकार और जनता का निरंतर आग्रह ही बचते हैं—जो धीमे और जोखिम भरे दोनों हैं। शेन्ज़ेन से जो भी निकले, वह इन गहरे प्रश्नों का उत्तर अपने आप नहीं देगा। परमाणु हथियारों पर कोई साझा बयान स्वागत-योग्य होगा। देखने की बातें ये होंगी कि कोई पाठ सामने आता है या नहीं, युद्ध-प्रभावित देशों से सलाह ली जाती है या नहीं, और टकरावों पर भाषा ठोस है या धुँधली। पर संधियाँ उतनी ही मज़बूत होती हैं जितना उनके पीछे का संकल्प, और वह संकल्प संस्थाओं से ही गढ़ा जाता है। सबसे सुरक्षित दुनिया के लिए दोनों चाहिए: शिखर पर विवेक और उसके नीचे ढाँचागत सीमाएँ। किसी एक नेता के संयम पर भरोसा जुआ है। सस्ता और टिकाऊ बचाव यह है कि स्वतंत्र अदालतों, आपातकालीन शक्तियों की स्पष्ट सीमाओं, स्वतंत्र प्रेस और ऐसी संस्कृति की रक्षा की जाए जो हर छोटे क्षरण को गंभीर मानती हो—संकट आने के बाद नहीं, उससे पहले। यह बात हर देश पर लागू होती है, उन तीनों पर भी जिनके नेता इस सप्ताह मिल रहे हैं।

(लेखक पंजाब यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।)

हमारे सांस्कृतिक परंपरा में आतिशबाजी नहीं

विनीत नारायण

सनातन परंपरा में दीपावली का अर्थ अंधकार पर प्रकाश की विजय है, न कि धुएं और शोर से आकाश को भर देना। सनातन धर्म के शब्दकोश में 'आतिशबाजीó जैसा कोई शब्द ही नहीं है। यह परंपरा मध्ययुग में पश्चिम एशिया से आई। हमारे पुराने ग्रंथों, रामायण या पुराणों में दीपावली को दीपों, यज्ञ, तोरण, रंगोली और सामूहिक उत्सव से जोड़ा गया है। तेल या घी के दीपक जलाना, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से यज्ञ करनाज्. इस बार दीपावली पर दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में हवा एक बार फिर हद से ज़्यादा जहरीली हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली के दिन दिल्ली का औसत रक्तढ्ढ 376 रहा, जो पिछले कई वर्षों में सबसे खराब स्तरों में से एक था।

कई स्टेशनों पर यह 'गंभीरó श्रेणी में पहुंच गया और रात के समय कुछ इलाकों में क्करू 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से कई गुना ऊपर चला गया। 'भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थानó के आंकड़ों के अनुसार दीपावली की रात के बाद सुबह के समय दिल्ली की क्करू 2.5 प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह कोई नया संकट नहीं है, लेकिन हर साल इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। इसी माहौल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक



कार्यक्रम में कहा कि, लोग कह रहे हैं कि दीपावली पर प्रदूषण हो गया, तो क्या हुआ? अगर प्रदूषण बढ़ा भी है तो कम भी हो जाएगा। इसलिए उनकी सरकार ने पटाखों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया और उन्होंने खुद अयोध्या में आतिशबाजी में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार से पूरे सिस्टम को प्रदूषित करने वालों पर कोई नहीं बोलता, लेकिन वर्ष में एक दिन पटाखे फोडऩे पर प्रदूषण की बात शुरू हो जाती है। यह बयान कई मायनों में चिंताजनक है। प्रदूषण 'एक दिन का मामलाó नहीं है। इसकी परतें शरीर में जमा होती हैं।

बच्चों के फेफड़ों, बुजुर्गों की सांस और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर लंबे समय तक रहता है। जो धुआं आज उठता है, वह कल कम हो सकता है, लेकिन जो नुकसान हो चुका होता है, वह आसानी से वापस नहीं आता। दिल्ली-एनसीआर में हर साल दीपावली के बाद अस्पतालों में सांस की बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ जाते हैं। यह कोई राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि साल दर साल दोहराए जाने वाले तथ्य हैं। सनातन परंपरा में दीपा ली का अर्थ अंधकार पर प्रकाश की विजय है, न कि धुएं और शोर से आकाश को भर देना। सनातन धर्म के शब्दकोश में 'आतिशबाजीó जैसा कोई शब्द ही नहीं है। यह परंपरा मध्ययुग में पश्चिम एशिया से आई। हमारे पुराने ग्रंथों, रामायण या पुराणों में दीपावली को दीपों, यज्ञ, तोरण, रंगोली और सामूहिक उत्सव से जोड़ा गया है। तेल या घी के दीपक जलाना, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से यज्ञ करना, आम के पत्तों का तोरण बांधना, मिट्टी के दीये और खिलौने रखना, ये सब परंपराएं पर्यावरण को शुद्ध करने वाली थीं, उसे दूषित करने वाली नहीं। वैदिक साहित्य के विश्व में सर्वाधिक ज्ञानी पुरी पीठाधीश्वर श्रद्धेय श्री स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी का इस विषय में कहना है, ये सब जो शास्त्र सम्मत त्योहार, पर्व, उत्सव हैं, इनमें जो विकृतियां आ गई हैं। पृथ्वी, जल, तेज, वायु, ऊर्जा के आस्तिक-नास्तिक, वैदिक-अवैदिक, उभयसम्मत स्रोत हैं। उनको उदीप्त करने वाला पर्व दीपोत्सव है। लेकिन पटाखों और आतिशबाजी के माध्यम से वातावरण को कलुषित करने का प्रकल्प चला है। तो पवित्र त्योहार को भी एक कलुषित मनोविनोद का रूप दे दिया गया है। ये अंधपरंपरा धीरे-धीरे आस्तिकता का रूप धारण कर रही है। आज बाजार के प्रभाव में हमने त्योहारों को आक्रामक और दिखावटी बना दिया है। पटाखे जलाना अब खुशी का प्रतीक कम, आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन ज्यादा हो गया है।

बच्चे रात भर शोर से सो नहीं पाते, जानवर परेशान होते हैं, और बुजुर्ग सांस लेने में कठिनाई महसूस करते हैं। मथुरा-वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों में भी यह दृश्य आम हो चुका है। कुछ साल पहले जब दिल्ली की जहरीली हवा से बचने के लिए हमारा परिवार वृंदावन गया था, तो वहां रात दो बजे तक पटाखों का शोर सुनाई दिया। गायें बेचैन थीं और बच्चे सो नहीं पाए। जागरूकता और प्रशासनिक सख्ती जहां होती है, वहां असर दिखता है; जहां नहीं होती, वहां त्योहार प्रदूषण का माध्यम बन जाता है। मुख्यमंत्री का यह कहना कि प्रदूषण कम हो जाएगा, तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह सवाल का जवाब नहीं है। दुनियाँ के सौ सबसे प्रदूषित शहरों में निन्यानवे भारत में हैं। ये शर्म की बात है। सवाल यह है कि हम जानबूझकर प्रदूषण क्यों बढ़ाएं? जब दिल्ली-एनसीआर पहले से ही 'बहुत खराबó हवा में सांस ले रहा हो, तब अतिरिक्त प्रदूषण का भार क्यों डालें? 'ग्रीन पटाखेó का तर्क भी अधूरा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ये सामान्य पटाखों की तुलना में थोड़े कम प्रदूषण फैलाते हैं, लेकिन भारी मात्रा में जलाने पर कुल प्रदूषण कम नहीं होता। और व्यवहार में देखा गया है कि प्रतिबंधित पटाखे भी आसानी से बिक जाते हैं। सनातन धर्म का मूल स्वभाव संयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का है। त्योहार आनंद और पर्यावरण की शुद्धि के लिए थे। आज जब हम मिट्टी के दीयों को छोड़कर प्लास्टिक और चीनी सामान की ओर बढ़ रहे हैं, तो कुम्हारों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। अगर हम दीपावली को केवल दीपों, सामूहिक प्रार्थना, परिवार के साथ मंगल गीत और बच्चों द्वारा लीलाओं के मंचन से मनाएं, तो उत्सव का आनंद बना रहेगा और नुकसान कम होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी यह परंपरा कुछ हद तक जीवित है। शहरी युवाओं को इसे अपनाने की जरूरत है। राजनीतिक स्तर पर भी संतुलित दृष्टि की जरूरत है। भ्रष्टाचार सिस्टम को प्रदूषित करता है, यह सही है। लेकिन एक गलत का जवाब दूसरा गलत नहीं हो सकता। जब सरकार खुद कहे कि पटाखों पर कोई रोक नहीं, तो जनता को संदेश मिलता है कि प्रदूषण की चिंता गौण है। अयोध्या जैसे पवित्र स्थल पर आतिशबाजी का आयोजन धार्मिक उत्साह बढ़ा सकता है, लेकिन यह संदेश भी जाना चाहिए कि सच्ची भक्ति में पर्यावरण की रक्षा भी शामिल है।

भगवान राम ने जंगल में रहकर भी प्रकृति का सम्मान किया। दीपावली उनके अयोध्या लौटने का उत्सव है, न कि धुएं से आकाश को ढकने का। आने वाली पीढ़ियों को अगर हम अपनी संस्कृति का गर्व कराना चाहते हैं, तो उन्हें साफ हवा में सांस लेने का हक भी देना होगा।



मेष राशिः कल का दिन आपके लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना होगी। रुका हुआ धन वापस मिलने की प्रबल संभावना है, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परिवार के सदस्यों के साथ किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी सावधानी बरतें और बाहर के खान-पान से बचें।

वृषभ राशिः व्यापार में विस्तार के लिए कल का दिन बेहद अनुकूल साबित होगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी और आपसी समझ बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात मन को प्रसन्न कर देगी। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

मिथुन राशिः अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखना कल आपके लिए बहुत जरूरी है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं, अन्यथा बजट बिगड़ सकता है। शाम के समय किसी धार्मिक स्थल की यात्रा मन को शांति देगी।

कर्क राशिः पारिवारिक जीवन में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से कोई बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य सफल होगा। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार प्राप्त होने से घर में खुशी की लहर दौड़ेगी। रचनात्मक कार्यों और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष लाभ होगा। अपनी सेहत को बेहतर रखने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।

सिंह राशिः कल समाज में आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनीति और प्रशासन से जुड़े लोगों को कोई बड़ा पद या लाभ मिल सकता है। निवेश के मामलों में सोच-समझकर और अनुभवी लोगों की सलाह से ही कदम उठाएं। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा। अत्यधिक भागदौड़ के कारण शाम को थकान महसूस हो सकती है।

कन्या राशिः आर्थिक दृष्टिकोण से कल का दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल होने से मन में उत्साह बना रहेगा। घर की साज-सज्जा और सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है। विरोधियों की चालें नाकाम होंगी और आप अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ेंगे। पेट से जुड़ी समस्या से बचने के लिए हल्का और सुपाच्य भोजन करें।

तुला राशिः कल का दिन आप

भारत में टेनिस का रोमांच बढ़ाएगी वर्ल्ड लीग, 5वें सीजन में कई दिग्गज खिलाड़ी दिखाएंगे दम

एजेंसी, बेंगलुरु

वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) अपने पांचवें सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कुछ सबसे बड़े नामों को बेंगलुरु लाने के लिए तैयार है। 16 खिलाड़ियों की सूची में पूर्व विश्व नंबर-3 एलिना स्वितोलिना, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिक, पूर्व विश्व नंबर-1 करोलिना प्लिस्कोवा, विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस और दो बार के विंबलडन डबल्स चैंपियन हैरी हेलियोवारा मुख्य आकर्षण होंगे। आइकॉनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और प्रबंधित यह लीग 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। सीजन 5 में चार टीमें एक्विक्स ईगल्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स और वीबी रियल्टी हॉक्स हिस्सा लेंगी। इनमें आठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के आठ प्रमुख टेनिस खिलाड़ी एक साथ खेलेंगे। महिला वर्ग की अगुवाई यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना करेंगी, जो 20 बार की डब्ल्यूटीए



सिंगल्स चैंपियन और 2018 डब्ल्यूटीए फाइनल्स की विजेता हैं और इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उनके साथ स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक भी मुख्य आकर्षण होंगी, जिन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में सिंगल्स का स्वर्ण पदक जीता था और 2025 में विंबलडन सेमीफाइनलिस्ट रही थीं।

इस सूची में चेक गणराज्य की करोलिना प्लिस्कोवा भी शामिल हैं, जो पूर्व विश्व नंबर-1 और दो बार की ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट हैं। स्पेन की पाउला बडोसा, जो पूर्व विश्व नंबर-2 और 2021 इंडियन वेल्स चैंपियन हैं, पिछले सीजन के बाद एक बार फिर इस लीग में वापसी कर रही हैं। पुरुष वर्ग का लाइन-अप भी उतना ही दमदार है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस बेंगलुरु के कोर्ट पर अपना जलवा बिखेरेंगे। 2022 के विंबलडन फाइनलिस्ट और उसी वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स चैंपियन रहे किर्गियोस के साथ कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक भी जुड़ेंगे, जो नौ बार के एटीपी खिताब विजेता हैं और जनवरी, 2026 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर-10 पर पहुंचे थे। बेल्जियम के जिजौ बर्ग्स, जिन्होंने इस साल ईस्टबोर्न में अपना पहला एटीपी खिताब जीता और फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा, जो दो बार के विंबलडन पुरुष डबल्स चैंपियन (2024 और 2026) हैं, अंतरराष्ट्रीय लाइन-अप को पूरा करते हैं। भारत के प्रतिनिधित्व में अनुभवी खिलाड़ियों और होनहार युवा प्रतिभाओं का मजबूत मिश्रण देखने को मिलेगा। क्ले कोर्ट पर एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी सुमित नागल, भारत के प्रमुख डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी के साथ वापसी कर रहे हैं। दक्षिणेश्वर सुरेश भी टीम का हिस्सा होंगे।

पूर्व एटीपी सिंगल्स फाइनलिस्ट और दो बार के एटीपी 250 डबल्स चैंपियन रामकुमार रामनाथन भी शामिल हैं। भारतीय महिला लाइन-अप में 17 वर्षीय माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली रश्मिका भामिदिपति की वापसी होगी, जो पिछले सीजन में भी खेली थीं। उनके साथ रुतुजा भोसले (जिन्होंने 2023 एशियाई खेलों में रोहन बोपन्ना के साथ मिक्स्ड डबल्स में स्वर्ण पदक जीता था) और वैष्णवी अडकर (2026 में भारत की नंबर-1 महिला सिंगल्स खिलाड़ी) भी जुड़ेंगी।

'हम अपना खेल खेलना चाहते हैं', एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से पहले सलीमा टेटे ने बताई टीम की रणनीति

एजेंसी, भोपाल



मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने साफ कर दिया है कि टीम का पूरा ध्यान विरोधियों की रणनीति पर नहीं बल्कि अपने खेल और प्रदर्शन पर रहेगा। सलीमा के मुताबिक, टीम कोच के निर्देशों और अपने गेम प्लान के अनुसार मैदान पर उतरेगी। 19 से 28 नवंबर तक खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में मैजूदा चैंपियन भारत का सामना चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड से होगा। खास बात यह है कि मध्य प्रदेश पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। राउंड-रॉबिन चरण के अंत में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेंगे। इसके बाद 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड और 24 नवंबर को चीन से और 25 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच होगा। सेमीफाइनल 27 नवंबर को और मेडल मैच 28 नवंबर को खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि हमारे विरोधी क्या कर रहे हैं। हम बस खुद पर, टीम की संरचना पर और कोच के निर्देशों का पालन करने पर ध्यान दे रहे हैं। संक्षेप में कहें तो, हम अपना खेल खेलना चाहते हैं। मुख्य कोच सजोर्ड मारिन ने कहा कि हम चाहते हैं कि खिलाड़ी अलग-अलग पोजिशन पर खेल सकें। इससे टीम की गहराई बढ़ती है और अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो यह बहुत मददगार साबित होता है, खासकर ओलंपिक जैसे टूर्नामेंट में। साथ ही, यह खिलाड़ियों के विकास के लिए भी बहुत फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि हम यह देखना चाहते हैं कि क्या इससे हमारे खेलने के तरीके में कुछ नया जुड़ता है और क्या इससे टीम में वे सुधार आते हैं जो हम देखना चाहते हैं। मेजबान टीम भारत शानदार फॉर्म में है लेकिन चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ मजबूती से खेलना होगा। भारतीय टीम ने तीन बार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। मेजबान टीम के पास दक्षिण कोरिया से आगे निकलने का मौका है, जिसके नाम भी तीन खिताब हैं।

हमारा लक्ष्य खेल विश्वविद्यालयों को संपूर्ण खेल पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र बनाना है : मांडविया

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि हमारा लक्ष्य खेल विश्वविद्यालयों को संपूर्ण खेल पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र बनाना है, जहां खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रतियोगिताएं और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा सभी एक साथ विकसित किए जा सकें। मांडविया ने आज यहां देश के 13 खेल विश्वविद्यालयों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में खेल विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को मजबूत करने, विशेषज्ञता और संसाधनों को साझा करने तथा भारत की खेल शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने जैसे विषयों पर केन्द्रित चर्चा की गई। केंद्रीय खेल मंत्री ने सभी विश्वविद्यालयों को देश के हित के लिए विशिष्ट खेलों में अपनी विशेषज्ञता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय को अपनी विशिष्ट विशेषज्ञता विकसित करने की आवश्यकता है। चाहे वह किसी विशेष खेल, प्रशिक्षण, खेल विज्ञान या अनुसंधान में हो। इससे पूरे देश को लाभ होगा। विश्वविद्यालय विशेषज्ञता के अपने-अपने विशिष्ट क्षेत्रों का विकास करें। उन्होंने उन्हें विश्वविद्यालयों को एक-दूसरे के साथ ज्ञान साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मांडविया ने कहा कि हम अब अलग-थलग रहकर काम नहीं करेंगे। अपने प्रयासों, संसाधनों और विशेषज्ञता को एकीकृत करके, हम एक मजबूत, सहयोगात्मक राष्ट्रीय खेल प्रणाली का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के बीच प्रशिक्षकों और ज्ञान के आदान-प्रदान और संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। खेल मंत्री ने विश्वविद्यालयों को ऐसी प्रणालियां बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जो भारत को अपने खेल पारिस्थितिकी तंत्र और उद्योग को समग्र रूप से विकसित करने में सहायता करेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को खेल विज्ञान, खेल कानून और खेल पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि पूरे भारत में इन क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों और मजबूत संस्थागत क्षमताओं का विकास हो सके।

घुटने की सर्जरी के चलते दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हुए जैकब बेथेल, आईपीएल में भी नहीं खेलेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली



इंग्लैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। उन्हें अपने दाएं घुटने की सर्जरी करानी होगी। इस वजह से वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी व्हाइट बॉल सीरीज के साथ-साथ दिसंबर में होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे से भी बाहर हो गए हैं। इसके अलावा वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन में भी नहीं खेल पाएंगे। आईसीसी वेबसाइट के मुताबिक बेथेल 2026 में ज्यादातर समय घुटने की समस्या से जूझते रहे हैं। उन्होंने जुलाई में भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में वनडे मुकाबले में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया था। इस मैच में उन्होंने 91 रन की पारी खेली थी। इसके बाद से वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेले हैं। 23 वर्षीय बेथेल को ऑस्ट्रेलिया में जारी व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम से जुड़ना था। इसके बाद उन्हें दिसंबर में होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी जाना था। हालांकि, घुटने की चोट दोबारा उभरने के कारण उन्हें दोनों सीरीज से बाहर होना पड़ा है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जैकब बेथेल के दाहिने घुटने की इस हफ्ते सर्जरी होगी और उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर कर दिया गया है। अब यह देखना होगा कि बेथेल फरवरी में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज और मार्च में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले एकमात्र डे-नाइट टेस्ट तक फिट हो पाते हैं या नहीं। इंग्लैंड को इसके बाद 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज और आईसीसी पुरुष वनडे वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लेना है। ऐसे में बेथेल की फिटनेस टीम के लिए अहम होगी। घुटने की चोट के कारण बेथेल आईपीएल 2027 में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने उन्हें टीम से रिलीज किए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि जैकब बेथेल को रिलीज करना हमारे लिए बेहद मुश्किल फैसला था।

बिजनेस

गोयल ने रोम में प्रमुख इतालवी कंपनियों के सीईओ के साथ बैठकें कीं, अहम मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रोम में प्रमुख इतालवी कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठकें कीं। इस बैठक में ऊर्जा उपकरण, निर्माण, विमानन, स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा संयुक्त उद्यमों पर चर्चा हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि गोयल ने इटली के रोम की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान 17 नवंबर को इटली की प्रमुख कंपनियों के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने वाल्टर टोस्टो एस.पी.ए. के प्रबंध निदेशक लुका टोस्टो, नॉर्डइम्पियांटी सिस्टम एस.आर.एल. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जियान पिएरो गाग्लियार्डी, एटिटेक के अध्यक्ष जियानी लेटिएरी, मागाल्डी ग्रीन एनर्जी की प्रबंध निदेशक सुश्री लेटिजिया मागाल्डी और ब्राको इमेजिंग एस.पी.ए. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फुल्वियो रेनोल्डी ब्राको के साथ बैठकें कीं।

गोयल के साथ इन बैठकों में भारत में इटली का निवेश बढ़ाने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और भारतीय साझेदारों के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करने पर विशेष रूप से चर्चा हुई। इतालवी कंपनियों ने अपनी प्रौद्योगिकियां भारत लाने और विनिर्माण, विमान रखरखाव, थर्मल ऊर्जा भंडारण तथा औषधीय सामग्री जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योगों के साथ सहयोग करने में रुचि व्यक्त की।

पीयूष गोयल ने कंपनियों द्वारा दिखाई गई रुचि का स्वागत किया और उन्हें भारत के बुनियादी ढांचे, विमानन तथा स्वास्थ्य सेवा सेक्टरों सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय उद्योगों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्रालय ने कहा कि भविष्य की कार्ययोजना के तहत उपयुक्त भारतीय संयुक्त उद्यम साझेदारों की पहचान करने, पायलट परियोजनाओं पर काम करने, लागत-तुलना संबंधी अध्ययन करने और भारतीय संस्थानों के साथ संयुक्त अध्ययन करने की आवश्यकता पर सहमति जताई गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि ये बैठकें ऐसे समय में हुई हैं, जब भारत और इटली अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं और वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को प्रतिवर्ष 20 अरब यूरो तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

गोयल ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा, रोम में 'मगाल्डी ग्रीन एनर्जी' की प्रबंध निदेशक सुश्री लेतिजिया मगाल्डी के साथ अच्छी बैठक हुई। हमने स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के क्षेत्र में भारत-इटली के बीच सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। इसमें मुख्य रूप से उन्नत थर्मल ऊर्जा भंडारण, औद्योगिक ऊर्जा दक्षता में सुधार और टिकाऊ तकनीकों को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दीपक राजावत को सीईओ किया नियुक्त



एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दीपक राजावत को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। एयरलाइन ने बुधवार को कहा कि दीपक राजावत की सीईओ के रूप में नियुक्ति एक दिसंबर से प्रभावी होगी। राजावत वर्तमान में टाटा समूह की इस एयरलाइन में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के पद पर कार्यरत हैं। राजावत को एविएशन और फाइनेंस के क्षेत्र मे दो दशक से अधिक का अनुभव है। एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रतिदिन लगभग 585 उड़ानें संचालित करती है, जो 48 घरेलू और 17 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ती हैं। एयरलाइन के बेड़े में बोइंग 737 और एयरबस ए320 के कुल 108 विमान हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात संवर्धन मिशन के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया

एजेंसी, नई दिल्ली



वाणिज्य मंत्रालय ने 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाना, नए बाजारों तक पहुंच आसान करना है। साथ ही भौगोलिक चुनौतियों का सामना कर रहे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को अधिक सहायता देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि व्यापक भागीदारी और बेहतर सहायता सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्य विभाग ने निर्यात संवर्धन मिशन की 'निर्यात दिशा' उप-योजना के तहत बाजार पहुंच सहायता, व्यापार नियमों, मान्यता एवं अनुपालन और माल ढुलाई एवं परिवहन संबंधी दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। संशोधन के तहत बाजार पहुंच सहायता के तहत खरीदार-विक्रेता बैठक, व्यापार मेलों और व्यापार प्रतिनिधिमंडल में भाग लेने के लिए भी हवाई यात्रा के खर्च को वापस लौटाने (रिइम्बर्समेंट) की पात्रता के लिए निर्यात कारोबार की अधिकतम सीमा बढ़ा दी गई है। इसे पिछले वर्ष के 75 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा सूक्ष्म एवं लघु निर्यातकों को हवाई यात्रा के खर्च का 95 फीसदी तक और अन्य पात्र निर्यातकों को 80 फीसदी तक राशि वापस की जाएगी। इस बाजार पहुंच सहायता योजना का उद्देश्य खरीदार-विक्रेता बैठकें, विदेशी खरीदार-विक्रेता बैठकें, व्यापार मेले, प्रदर्शनियां और बाजार तक पहुंच से जुड़ी अन्य गतिविधियों के लिए व्यवस्थित सहायता देकर भारतीय निर्यातकों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच मजबूत करना है। मंत्रालय ने प्रमाणपत्रों की उस सूची का भी विस्तार किया है, जिनके लिए खर्च की प्रतिपूर्ति की जा सकती है। इनकी संख्या 462 से बढ़ाकर 600 कर दी गई है। इसका उद्देश्य एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी मानकों को पूरा करने के लिए अधिक सहायता उपलब्ध कराना है।

व्यापार नियमों, मान्यता एवं अनुपालन सहायता योजना के तहत एमएसएमई को गुणवत्ता और अनुपालन से जुड़े प्रमाणपत्र हासिल करने में मदद दी जाती है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सकें। इसी तरह, लॉजिस्टिक एवं परिवहन संबंधी सहायता (लिफ्ट) के तहत कम निर्यात वाले जिलों को मिलने वाली सहायता का दायरा मौजूदा 13 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से बढ़ाकर 34 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों तक कर दिया गया है।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 429 अंक टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली



हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दो दिन की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में 429 अंक और निफ्टी में 141अंकों की गिरावट है। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 429.22 अंक यानी 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ 82,102.97 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 141.25अंक 0.56 टूटकर 25,246.15 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई का सेंसेक्स 17 नवंबर तक इस महीने में करीब 11 फीसदी और एनएसई का निफ्टी 10 फीसदी से अधिक चढ़ा है। इसके साथ ही एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की 225 सूचकांक बढ़त में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में रहे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.69 फीसदी गिरकर 92.53 डॉलर प्रति बैरल पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 427.40 अंक यानी 0.52 फीसदी उछलकर 82,532.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले छह महीनों यानी अप्रैल से सितंबर के दौरान देश के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस अवधि में भारत ने कुल 31.97 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात किया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह आंकड़ा 22.20 अरब डॉलर था। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बढ़ोतरी में स्मार्टफोन के साथ-साथ दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का भी बड़ा योगदान रहा है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा बनी हुई है। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान स्मार्टफोन का निर्यात 35.8 फीसदी बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 13.38 अरब डॉलर था। हालांकि, कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 60.3 फीसदी से घटकर 56.8 फीसदी रह गई है। इसका कारण यह है कि स्मार्टफोन के अलावा दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में ज्यादा तेजी आई है। स्मार्टफोन के अलावा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में 56.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह निर्यात पिछले साल के 8.81 अरब डॉलर से बढ़कर 13.79 अरब डॉलर हो गया। कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में इन उत्पादों की हिस्सेदारी भी 39.7 फीसदी से बढ़कर 43.2 फीसदी हो गई।

सीजीएसटी करदाताओं के केंद्रीकृत आकलन की मसौदा रूपरेखा जल्द जारी करेगा सीबीआईसीः चेयरमैन

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के तहत पंजीकृत 70 लाख करदाताओं के लिए केंद्रीकृत आकलन की मसौदा रूपरेखा जल्द जारी करेगा। यह प्रस्तावित व्यवस्था 1 अप्रैल, 2027 से लागू होने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी है। इस मामले से संबंधित एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नई रूपरेखा को एक अप्रैल, 2027 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में लागू किए जाने की संभावना है। सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने पीएचडीसीसीआई के एक कार्यक्रम में कहा, ''हम (सीबीआईसी) सीजीएसटी करदाताओं के लिए बिना आमने-सामने संपर्क वाली (फेसलेस) और केंद्रीकृत प्रशासन व्यवस्था की दो अवधारणाओं पर विचार कर रहे हैं। हमने एक रूपरेखा तैयार की है। इसे बहुत जल्द आम लोगों और संबंधित पक्षों की राय के लिए जारी किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीजीएसटी करदाताओं के लिए प्रशासन की एक नयी व्यवस्था लाना चाहती है। उन्होंने कहा, ''इसमें बड़े करदाताओं के लिए केंद्रीकृत प्रशासन व्यवस्था होगी, जिसके तहत वे किसी भौतिक कार्यालय में जाकर अपना पंजीकरण, लिखित जांच, निर्णय, समीक्षा और अपील सहित अपनी सभी जरूरतों का समाधान एक ही स्थान पर करा सकेंगे। बाकी करदाताओं के लिए हम बिना आमने-सामने संपर्क वाली सहायता व्यवस्था लाना चाहते हैं।'' सीबीआईसी प्रमुख ने उद्योग मंडलों और संबंधित पक्षों से मसौदा रूपरेखा आम लोगों की राय के लिए जारी होने के बाद अपने सुझाव भेजने को कहा। जीएसटी के तहत पंजीकृत 70 लाख करदाताओं में से करीब दो लाख ऐसे हैं, जिनके एक ही राज्य या अलग-अलग राज्यों में कई सीजीएसटी क्षेत्राधिकारों में पंजीकरण हैं।



दोस्त हेमा चौधरी ने खोले कई राज

शरद कपूर की करीबी दोस्त और जानी-माने एनिमल एक्टिविस्ट हेमा चौधरी ने भी इस घटना पर अपनी तीव्र नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने एक वाकया साझा करते हुए बताया कि जब उन्होंने खुद शरद से पूछा था कि उन्होंने किसी अनजान शख्स से पैसे क्यों लिए, तो एक्टर का जवाब सुनकर वे सन्न रह गईं। शरद ने उन्हें बताया था कि उस शख्स ने जबरन उनकी हथेलियों पर नोट रखे, वीडियो बनाया और जैसे ही कैमरा बंद हुआ, वे पैसे वापस लेकर चलते बने। यह वाकया आज के दौर के उस कड़वे और क्रूर सच को उजागर करता है, जहां किसी इंसान की टूटती हुई सांसों और लाचारी का भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड्स और लाइक्स के लिए खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है।

मजबूरी का मजाक: 'जोश' फेम एक्टर शरद कपूर पर छलका दर्द, बोले- 'रील' के लिए जबरन हाथ में थमाए जाते हैं पैसे और फिर...

कभी बड़े पर्दे पर अपनी खतरनाक खलनायकी और दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खौफ और सम्मान दोनों पैदा करने वाले अभिनेता शरद कपूर आज जिंदगी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जोश' में अपने शानदार अभिनय से रातों-रात स्टार बनने वाले शरद कपूर की जिंदगी का यह दर्द तब खुलकर सामने आया, जब उन्हें अपनी तंगहाली के चलते अपने जिगर के टुकड़ों जैसे चारों पालतू कुत्तों को मजबूरन एनिमल वेलफेयर में भेजना पड़ा। पेट भरने और गुजर-बसर के लाले पड़ने पर जब उन्होंने लोगों से मदद की गुहार लगाई, तो उनकी इस लाचारी पर इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक और घिनौना सच सामने आ गया है। आज की वर्चुअल दुनिया और रील्स के पागलों ने किसी की मजबूरी को भी कंटेंट और तमाशा बना दिया है। शरद कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो साझा किया है, जिसमें उनका गुस्सा और दर्द साफ झलक रहा है। एक्टर ने बताया कि कुछ लोग अपनी सस्ती लोकप्रियता और व्यूज बटोरने के लिए उनकी इस दयनीय स्थिति का बेरहमी से फायदा उठा रहे हैं। ये तथाकथित शुभचिंतक उनके पास आते हैं, अचानक उनके हाथ में कुछ पैसे जबरदस्ती थमा देते हैं और वीडियो शूट करने लगते हैं। अपना दर्द बयां करते हुए शरद कपूर ने कहा, "मुझे समझ ही नहीं आता कि अचानक आकर कोई मेरे हाथ में पैसे क्यों पकड़ा देता है। जब मैं उनसे पूछता हूं कि ये क्या है भाई? तो वे कहते हैं— 'नहीं-नहीं, आप बस पकड़िए एक बार।' मैंने उनसे कहा भी कि ये क्या बदतमीजी है? लेकिन ऐसे लोग हैं कि आप उनसे खुलकर कुछ कह भी नहीं सकते।" एक्टर ने खुलासा किया कि कैमरे पर मदद करने का नाटक करने वाले ये लोग वीडियो बनाने के बाद चुपचाप अपने पैसे वापस भी जेब में रख लेते हैं। इंटरनेट पर उनकी ऐसी भ्रामक और झूठी तस्वीरें फैलाई जा रही हैं, जिससे समाज में यह गलत संदेश जा रहा है कि एक्टर ने किसी से आर्थिक मदद ली है, जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है।

इस सनसनीखेज और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाली घटना के बाद शरद कपूर ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने फैसला किया है कि अब वे अजनबियों से मिलने से बचेंगे और दूर से ही 'नमस्ते' कर लेंगे। हालांकि, इस बुरे वक्त में भी उन्होंने उन तमाम सच्चे फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का हाथ जोड़कर शुक्रिया अदा किया है, जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में उनका साथ दिया है। एक्टर ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि वाकई किसी को उनकी मदद करनी है या कोई बात रखनी है, तो वे सीधे उनके सोशल मीडिया हैंडल पर डायरेक्ट मैसेज (DM) कर सकते हैं, या फिर उनकी करीबी दोस्त को संपर्क कर सकते हैं।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब : रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं। शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

सलमान खान शॉर्टकट वो भी 'मातृभूमि' के लिए, न बाबा न



दबंग अभिनेता सलमान खान अपनी आगामी फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के टीजर और पोस्टर के बाद अब इसकी शूटिंग से जुड़ी कठिन परिस्थितियों का खुलासा हुआ है। निर्देशक अपूर्व लाखिया के मुताबिक, फिल्म के एक महत्वपूर्ण सीक्वेंस को वास्तविक बनाने के लिए सलमान खान ने स्टूडियो में शूटिंग करने के बजाय बर्फीले पानी में वास्तविक लोकेशन पर शूट करने का फैसला किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपूर्व लाखिया ने बताया कि यह सीक्वेंस सितंबर के अंत में शूट किया गया था। उस दौरान पानी का तापमान करीब शून्य डिग्री था। सलमान खान और अन्य कलाकार रोजाना लगभग छह घंटे तक जमा देने वाले पानी में शूटिंग करते रहे। शूटिंग के बीच उन्हें गीले कपड़ों में ही खाना भी खाना पड़ता था। निर्देशक के अनुसार, शुरुआत में अनुमान था कि यह पूरा सीक्वेंस एक दिन में शूट हो जाएगा, लेकिन परिस्थितियां इतनी चुनौतीपूर्ण थीं कि इसे पूरा करने में ढाई दिन लग गए। उन्होंने कहा कि ठंड से कांपते कलाकारों को देखकर साफ था कि वह केवल अभिनय नहीं कर रहे थे, बल्कि वास्तव में कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे थे।

सैनिक की भूमिका में आएंगे नजर: फिल्म में सलमान खान सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अपूर्व लाखिया निर्देशित फिल्म का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। युद्ध और संघर्ष की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म की शुरुआती झलक के बाद अब दर्शकों की नजर इसके ट्रेलर और रिलीज पर है।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम: चैप्टर 1 उधिरम: द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी ओएम: चैप्टर 1 में धनुष एक लकड़हारे के दमदार किरदार में हैं, जबकि ममूटी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कास्ट में श्रीलीला और संजय स्वरूप जैसे कलाकार भी शामिल हैं। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, जो इसके जरिए तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण धनुष अपने बैनर वंडरबार फिल्म्स के तहत श्रद्धा अग्रवाल और अजमत जगमग के साथ मिलकर कर रहे हैं। पहले 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली ओम - चैप्टर 1: उधिराम - द ब्लड वुड अब 20 नवंबर 2026 को रिलीज होने वाली है। यह फिल्म दर्शकों को एक बिल्कुल नई और रोमांचक कहानी का अनुभव कराएगी, जिसमें साई पल्लवी का नया अवतार निश्चित रूप से आकर्षण का केंद्र होगा।



'मेरी आस्था पर फैसला सुनाने का हक किसने दिया?'

अक्षरा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि किसी की धार्मिक भावनाओं और व्यक्तिगत आस्था पर उंगली उठाने या उस पर अपना फैसला सुनाने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि पूजा करना और किसी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना पूरी तरह से उनका निजी विश्वास है, जिस पर बाहरी लोगों को टिप्पणी करने का कोई हक नहीं है। अपनी पोस्ट के अंत में उन्होंने पूरी आस्था के साथ 'जय छठी मइया' लिखकर अपने व्रत के समापन की बात साझा की। उन्होंने लिखा कि अपने हाथों से ठेकुआ बनाना और मन में छठी मैया का नाम जपना ही इस महापर्व की असली मिठास है। पटना में अपने चाहने वालों के साथ इस महापर्व को मनाने का सुख उनके लिए हमेशा से बेहद खास रहा है। बहरहाल, अक्षरा सिंह के इस दो टूक और खरी-खरी जवाब के बाद सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में फैंस उतर आए हैं, जो रूढ़िवादी सोच रखने वाले लोगों को आड़े हाथों ले रहे हैं।

अक्षरा सिंह के छठ व्रत पर सवाल उठाने वालों पर भड़कीं एक्ट्रेस, दो टूक बोलीं- 'कुंवारा कर सकता है तो कुंवारी लड़की क्यों नहीं?'

लोक आस्था के महापर्व छठ की धूम पूरे देश में देखने को मिली, लेकिन बात जब बिहार और भोजपुरी सिनेमा की हो, तो इसकी रौनक अपने चरम पर होती है। इस बार अपनी आस्था को लेकर सुर्खियों में आईं भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री और 'बिग बॉस ओटीटी' फेम अक्षरा सिंह ने पटना में रहकर ही बेहद पारंपरिक और सादगी भरे अंदाज में इस महापर्व को संपन्न किया। सोशल मीडिया पर उनकी भक्ति और लोक संस्कृति के प्रति उनका समर्पण उनके फैंस के बीच चर्चा का एक अलग ही विषय बना हुआ है। अक्षरा सिंह ने छठ के इन चार दिनों के दौरान अपनी हर एक रस्म की झलक सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ साझा की। नहाय-खाय से लेकर खरना और फिर संध्या अर्घ्य से लेकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक, अभिनेत्री हर जगह पूरी तरह से



पारंपरिक लिबास और ठेठ बिहारी अंदाज में नजर आईं। उन्होंने न केवल खुद इन नियमों का कड़ाई से पालन किया, बल्कि अपने हाथों से प्रसाद के रूप में बनने वाला पारंपरिक 'ठेकुआ' भी तैयार किया। अपने हाथों से ठेकुआ बनाते हुए और मन में छठी मईया का ध्यान करते हुए एक्ट्रेस ने इस अनुभव को अपने जीवन का सबसे खास पल बताया। उन्होंने साझा किया कि अपने गृह जनपद पटना में अपने परिवार, करीबियों और चाहने वालों के बीच इस महापर्व को मनाने का जो सुकून मिलता है, उसकी तुलना किसी भी चीज से नहीं की जा सकती। अक्षरा के इन वीडियो और तस्वीरों में उनकी सरलता साफ झलक रही थी, जहां वह बिना किसी स्टारडम की परवाह किए आम महिलाओं की तरह फर्श पर बैठकर पारंपरिक तरीके से पूजा की तैयारियों में जुटी नजर आईं। हालांकि, जहां एक तरफ उनकी इस निष्ठा को उनके लाखों फैंस ने सराहा और उनके इस रूप को देखकर अपनी खुशी जाहिर की, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग उनकी इस पूजा पर बेवजह की बहस छेड़ते भी दिखे। बावजूद इसके, अक्षरा सिंह ने इन सारी बातों से बेपरवाह होकर अपनी पूरी ऊर्जा और ध्यान केवल छठी मईया की आराधना में लगाया। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही उन्होंने इस साल के महापर्व के समापन की घोषणा की और इस आयोजन में अपना समय, सेवा व स्नेह देने वाले हर एक शख्स का दिल से आभार व्यक्त किया। अक्षरा का यह अंदाज साफ बयां करता है कि भले ही वह ग्लैमर की दुनिया का एक चमकता हुआ चेहरा हों, लेकिन अपनी माटी, संस्कृति और परंपराओं से उनका जुड़ाव आज भी पूरी तरह से अटूट और सजीव है।

At Sonia's book launch, Gandhis open up about love, loss, and bad chicken

New Delhi, Agency: "And listen, if you want to fall in love, go to Varsity Restaurant in Cambridge. But never eat the chicken chasseur, okay?" Rahul Gandhi jokingly delivered this piece of advice at the launch of his mother Sonia Gandhi's memoir, 'Belonging: A Journey of Love', in Delhi on Monday. Years after hearing the story about his parents' first meeting in Cambridge, he recounted how he went to the Varsity Restaurant with his girlfriend to see where they had met.

When Rahul told the man at the entrance that his parents had met there, the man said he knew exactly who they were and recommended the chicken chasseur from the menu. However, the meal did not live up to its romantic legacy. Rahul contrasts his parents' memories of the restaurant with his own experience. "They seem to remember that the food was fantastic. The food's horrible!" he said as the audience laughed.

The anecdote was part of a series of family recollections the leader of the opposition shared after saying he had been instructed to avoid politics. However, many read a political subtext into the seating arrangements. In the front row was an array of opposition leaders such as Samajwadi Party president Akhilesh Yadav; Trinamool Congress MP Abhishek Banerjee; National Conference president Farooq Abdullah; Supriya Sule of NCP-SP; Jharkhand CM Hemant Soren; and Tamil Nadu CM C Joseph Vijay. Also in the front row was former Punjab CM Captain Amarinder Singh, who left Congress in 2021 following a bitter falling-out with the Gandhis.



Rahul name-checked Amarinder and mentioned that he had seen his parents fight only once. Rajiv Gandhi was speaking to Amarinder on phone when Sonia tried several times to tell him something. Rajiv was stressed and eventually got angry. "We saw them argue many times, but that was the only time we ever saw them fight," Rahul said.

Sonia Gandhi too kept the conversation away from politics. Asked why she chose to write a memoir when she had guarded her privacy fiercely in the past, she said she wanted to set the record straight about her family amid "unreal stories" woven around them. "So much has been said about my mother-in-law, husband, son, daughter, and myself; and most of it is unreal. It has really nothing to do with the way we are. Stories are woven around you, untruths are woven around you, and hurtful things are said which are nowhere near the truth. And I thought, well, perhaps this was a way of bringing out my feelings, what I know of my family, and maybe people will be open to listening to my story too," the Rajya Sabha MP said.

Congress forms screening committees for 5 poll-bound states; Ajay Maken to head UP panel

New Delhi, Agency: The Congress on Monday constituted screening committees for five states scheduled to hold assembly elections, with party president Mallikarjun Kharge appointing senior leaders to head the panels. Ajay Maken will lead the committee for Uttar Pradesh, while Sirivella Prasad has been named chairperson of the Punjab panel.

The committees have also been formed for Uttarakhand, Goa and Manipur. Each panel comprises a chairperson and two other members and will be responsible for the party's screening process ahead of the elections.

Who heads the screening panels

For Uttar Pradesh, Maken will be joined by Aslam Shaikh and B V Srinivas. The Punjab committee will be headed by Sirivella Prasad, with Sachin Sawant and Nivedith Alva as members.



In Uttarakhand, Deepa Dasmunsi will chair the panel, which includes Anil Chaudhary and Pal Bhai Ambaliya. KJ George will head the Goa committee, with Satej D Patil and Shafi Parambil as members. For Manipur, B M Sandeep has been appointed chairperson.

A decade out of power: Why Congress is struggling to make a comeback in Uttarakhand

New Delhi, Agency: "If you know the enemy and know yourself, you need not fear the result of a hundred battles. If you know yourself but not the enemy, for every victory gained you will also suffer a defeat. If you know neither the enemy nor yourself, you will succumb in every battle."

The 'Art of War' by Sun Tzu seems to perfectly encapsulate what Congress needs to understand for the upcoming Uttarakhand assembly elections.

The BJP, led in the state by chief minister Pushkar Singh Dhami, is seeking a historic third consecutive term. At a recent event in Dehradun, Union home minister Amit Shah set an ambitious target of winning more than 65 of the state's 70 assembly seats. The Congress, meanwhile, hopes to capitalise on dissatisfaction with the government and return to power after a decade in opposition.



On paper, the Congress has a substantial list of issues to take to voters. The BJP, too, faces the challenge of defending its record in a state where the pendulum of power had previously been in constant swing.

But the electoral arithmetic presents a more complicated picture as we saw in 2022. BJP can lose ground and still win comfortably; Congress can make gains and still remain distant from power.

So, can Congress turn voter dissatisfaction into a legitimate political direction, or will it simply reiterate its criticisms and fail to make waves?

A state that once voted out its governments: Since the state was formed in 2000, its first four assembly elections produced a change of government every five years. The Congress won 36 seats in 2002, the BJP secured 35 in 2007, the Congress edged ahead with 32 against the BJP's 31 in 2012, and the BJP swept to power with 57 seats in 2017.

Covert Cafe: NCB busts secret basement Meow Meow lab in Ahmedabad

New Delhi, Agency: What at first glance seemed like a popular local cafe in Ahmedabad's Sarkhej area concealed a clandestine "Meow Meow" aka Mephedrone lab tucked away in its basement. Narcotics Control Bureau (NCB) has dismantled a clandestine mephedrone manufacturing laboratory whose entrance was cleverly disguised from inside the house behind what appeared to be an almirah and a removable section of tiled flooring.

The NCB arrested the owner, Mudasar Ahmed Khan, and seized crores worth drugs in both liquid and powder form. The joint operation was carried out on Sunday with Gujarat Police. During the raid, officials recovered 25 different chemicals



weighing 130 kg including methylamine, bromine, and hydrobromic acid. Complete laboratory apparatus, such as heating mantles, digital magnetic stirrers, round-bottom flasks, and separating funnels, was also confiscated.

The arrested resident, Mudasar Ahmed Khan, lived at the premises with his family and ran the cafe which served as a delivery point for the contraband, the NCB said. During interrogation, Khan admitted to learning the synthesis process using DIY techniques on YouTube and websites.

He procured the raw materials and equipment from suppliers in Mandsaur and Ahmedabad and through online e-commerce platforms. Background checks revealed that Khan has four prior criminal cases registered against him, including charges of attempted murder, rioting, criminal intimidation, and mischief by fire. The agency noted that this bust reflects a wider trend of synthetic drug laboratories operating out of residential spaces, farms, and industrial units across India, following similar recent seizures in Greater Noida, Jewar, and Prayagraj.

INDIA bloc seeks SC nod for 48 posers to CEC, ECs

New Delhi, Agency: Opposition INDIA bloc functionaries, led by Rahul Gandhi, on Monday sought Supreme Court's permission to deliver "interrogatories" containing 48 questions to Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar and election commissioners Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi to "discover the truth in Election Commission's assertions". The questions concern decisions related to SIR, EC's claim of unanimity among them, and the change in Form 6.

Interrogatory procedure is a tool under Civil Procedure Code to seek clarity on assertions of the opposite party.

Invoking the procedure in a writ petition filed under Article 32, Rahul said, "Each interrogatory is to be answered separately and fully. Where any fact is not known or not recorded, the answer shall say so expressly and identify the person or record from whom or from which it could be ascertained."



Among the 48 questions posed in the interrogatory, which was accompanied by an affidavit from Rahul are: "Whether particular decisions were taken by the commission acting as a body; when and in what manner they were taken; who authorised particular actions in the name of the commission; and how ECINET has been designed, altered and operated." Rahul said the petitioners had no means of access to those facts except through CEC, ECs and DG (IT).

"Interrogatories are specifically sought so as to narrow the controversy; obviate the need for oral evidence on matters that are not genuinely in dispute; and to enable the SC to identify, with precision, the matters on which the production of records or further evidence is required," the members said. "Every interrogatory in... is anchored either to a specific averment in the counter affidavit or the supplementary affidavit or a pleading in the writ petition, and is confined to matters of fact. None is in the nature of a roving or fishing inquiry," they added.

Terror suspect in CRPF attack case killed in Kulgam, 1 flees

New Delhi, Agency: Wanted terrorist Mohammad Latief Bhat, carrying a Rs 15 lakh bounty, escaped an extended security cordon in south Kashmir's Kulgam district with bullet wounds, while his aide Umar Nasir was killed in a gunfight Monday, security sources said. The duo was allegedly behind last week's attack that wounded three CRPF personnel at Mir Bazar in Kulgam.

Latief, an A category terrorist, was believed to have fled into nearby forests after being hit by bullets during the gunfight. Nasir, classified as a B category terrorist, was killed and his body retrieved, police said. A woman who witnessed the operation confirmed Latief had been wounded.

Security forces have killed 16 terrorists in J&K this year: Monday's gunfight broke out in the Larnoo area, around 100km south of Srinagar. Drones were deployed to scan the vast apple orchards and adjoining forests as security forces continued combing the area.

A police officer said intensive searches were under way to track Latief after the November 11 attack on a CRPF post at Mir Bazar. The attack ended a prolonged lull in strikes against security forces and triggered one of the longest search operations in Kulgam. A local over-



ground worker was arrested for allegedly facilitating the two terrorists.

J&K Police DG Nalin Prabhat, Kashmir Zone IG Sujit Kumar and senior Army and security officers had been camping in Kulgam to oversee the operation. Security officers estimated that around "four to five" local terrorists remained active in the Kashmir Valley, with their identities known to intelligence agencies.

Latief had been lying low for some time, possibly helping him evade surveillance until the Mir Bazar attack, an officer said. On October 5, IG Kumar had said Kashmir had just one active local terrorist of note and recruitment had stopped completely this year. Police had identified Latief, a resident of Kulgam, as the lone local terrorist.

Miffed lawyer questions CJI's 'integrity', advocates seek action against him

New Delhi, Agency: An alleged procedural lapse in non-listing of a petition filed on Nov 2 in Supreme Court evoked a disproportionate reaction from a lawyer who, while resorting to an unscheduled mentioning, created a scene and questioned Justice Surya Kant's legitimacy to continue as CJI.

When the bench was in the midst of adjudicating some motor accident claim cases, a lawyer said the petition filed on



Nov 2 was not yet listed despite intimation being given to the CJI's office.

The court objected to the unscheduled mentioning and asked the lawyer to intimate the registrar for inclusion of his request for early listing. But the lawyer said he had already apologised and that he would like to know why the petition had not been listed.

When the CJI said he would look into it, the lawyer flared up and said, "No, I will not wait. You cannot sit in that chair. You do not deserve. You do not have the integrity for that."

Theatre commands are operational imperative, will be implemented soon: CDS; says Agnipath reforms not rollback

New Delhi, Agency: Chief of Defence Staff (CDS) General NS Raja Subramani on Monday said the creation of Integrated Theatre Commands (ITCs) is an "operational imperative" rather than an administrative requirement and that all three services are on the same page and that the country will soon see its rollout. The CDS also noted that the revision to the Agnipath scheme does not mean a "rollback" and its critics are "trying to confuse" the public.

Speaking at the Media National Security Summit, General Subramani explained why integrated command



structures are indispensable for future conflicts as such warfare goes beyond traditional boundaries. "Operation Sindoor has aptly proved that multi-domain operations are the need of the hour," he said.

IAF chief Air Chief Marshal Ashutosh Dixit, who accompanied the CDS at the summit, also vouched for theatre commands and dispelled perceptions of institutional resistance by describing air power as "the glue" that will bind jointness, integration, and theatreisation together.

Gen Subramani said, "We are not only going to fight on land, air and sea, but also sub-sea, cyber, electronic warfare, spectrum, space spectrum as well as the cognitive spectrum."

Clearing the doubts about the Agnipath scheme reforms, Gen Subramani said, "When we started the Agnipath scheme four years ago, it was already decided that the scheme would be reviewed from time to time, keeping in mind its efficacy. Patthar ki lakeer nahi hai (not a line carved in stone), only stupid people do it like that and people who don't want to change it do it like that. Whatever changes have been made have been made after a lot of review and study, on the recommendation of the defence forces. Those who are trying to confuse and are saying wrong things. Yeh sab galat hai."

"I should make it clear that Agniveers will be absorbed in the forces after 4 years and 6 years as regular soldiers. It all depends upon when they want to join the forces permanently," Gen Subramani said.